• जयपुर, शनिवार 9 नवंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 82 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 राइजिंग राजस्थान के जयपुर जिला स्तरीय निवेश शिखर सम्मेलन...

पेज @4 उपमहानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई एवं मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन...

पेज @7 मुख्यमंत्री भ्रमण, भाषण और भ्रमित करने का कार्य कर रहे हैः डोटासरा...

न्यूज़ अपडेट

इतिहास में नोटबंदी के नाम पर पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा : अखिलेश

लखनऊ/एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोटबंदी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरे-का-पूरा अध्याय सिर्फ़ काले रंग से ही छापा जाएगा।

उन्होंने कहा कि शुक्रवार को नोटबंदी की 8वीं सालगिरह के ठीक एक दिन पहले ही, कल रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे कमजोर स्थिति में आ गया। जनता पूछ रही है क्या ये नोटबंदी की नाकामयाबी की वजह से हुआ या भाजपा की नकारात्मक नीतियों की वजह से।

सपा मुखिया ने कहा, अब क्या भाजपाई फिर ये कहेंगे कि देश के इतिहास में रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुंचकर 'रिकार्डतोड़' नहीं गिरा है, बल्कि डॉलर ऊपर उठा है। भाजपा ने अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था बना दिया है। रुपया कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवंबर 2016 को पूरे देश में 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को चलन से बाहर कर दिया था। इसके बाद कई हफ्तों तक देशभर में बैंकों और एटीएम के सामने पुराने नोट बदलकर नए नोट हासिल करने वालों की लंबी कतारें देखी गयी थी। इसका मकसद देश में कालाधन रोकने और डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा बताया गया था।

पहली बार आईएनएस विक्रांत पर आईं राष्ट्रपति, नौसैनिक संचालन की बनीं साक्षी

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समुद्र में भारतीय नौसेना के परिचालन प्रदर्शन को देखा। वह स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर गईं जहां वह भारतीय लड़ाकू विमान में भी सवार हुईं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की समुद्र में भारतीय नौसेना के जहाजों की पहली यात्रा थी। इस दौरान उन्हें भारतीय नौसेना की भूमिका, चार्टर और संचालन की अवधारणा के बारे में जानकारी दी गई।

इसके बाद राष्ट्रपति ने कई नौसैनिक अभियानों को देखा। इन नौसैनिक अभियानों में जहाज के डेक से लड़ाकू विमानों का टेक-ऑफ और उनकी लैंडिंग, एक युद्धपोत से मिसाइल फायरिंग का अभ्यास, पनडुब्बी संचालन, 30 से अधिक विमानों का शानदार फ्लाईपास्ट शामिल था। इसका समापन युद्धपोतों के पारंपरिक स्टीम-पास्ट के साथ हुआ। राष्ट्रपति गोवा में नेवल एयर स्टेशन, हंसा पहुंचीं थीं। यहां एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने उनका स्वागत किया।

इस दौरान पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह भी मौजूद रहे।

कांग्रेस का विभाजनकारी एजेंडा आदिवासी समुदायों की सामूहिक ताकत को नष्ट करना है: मोदी

अनुच्छेद 370 कभी वापस नहीं आएगा, कश्मीर में लागू रहेगा बाबा साहेब का संविधान : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद-370 को लेकर छिड़े विवाद पर कहा कि अनुच्छेद-370 कभी वापस नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि कश्मीर में बाबा साहेब का संविधान लागू रहेगा और कोई भी ताकत इसे बदल नहीं सकती। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के धुले में भाजपा की एक चुनावी जनसभा में महात्मा गांधी के विजन को याद करते हुए कहा कि आजादी के बाद, गांधीजी चाहते थे कि कांग्रेस भंग हो जाए, क्योंकि उन्होंने इसकी विभाजनकारी प्रकृति को देखा था। कांग्रेस पर हमला तेज करते हुए मोदी ने कहा, कांग्रेस हमेशा से ही राष्ट्र-विरोधी षड्यंत्रों का हिस्सा रही है। इसका एक प्रमुख उदाहरण जम्मू और कश्मीर है, जहां कांग्रेस ने अनुच्छेद-370 के साथ इसे देश से अलग कर दिया, दलितों और हाशिए के समुदायों को उनके अधिकारों से वंचित किया और आतंकवाद और अलगाववाद का समर्थन किया। हमने अनुच्छेद 370 को निरस्त करके इसे समाप्त कर दिया, जो भारत के सबसे महान निर्णयों में से एक था। लेकिन अब, कांग्रेस और उसके सहयोगी इसे वापस लाने की साजिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को विभाजित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा इन समुदायों की प्रगति का विरोध किया और उनकी एकता को कमजोर करने की कोशिश की है। मोदी ने कहा, आजादी के दौरान, डॉ. अंबेडकर ने शोषितों के लिए आरक्षण की लड़ाई लड़ी, लेकिन नेहरू ने इसका विरोध किया। आरक्षण पाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। नेहरू के बाद भी इंदिरा गांधी और राजीव गांधी इसका विरोध करते रहे। उनका लक्ष्य एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों को कमजोर रखना था। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर भील, कोकना, वारली और अन्य आदिवासी समुदायों को विभाजित करने और उनकी एकता को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके विभाजनकारी एजेंडे का उद्देश्य आदिवासी समुदायों की सामूहिक ताकत को नष्ट करना है।

जहां भाजपा-महायुति है, वहां प्रगति है: पीएम

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ लोग केवल शोषण करने के लिए राजनीति में प्रवेश करते हैं। महा-अघाड़ी के शासन ने विकास को रोक दिया, हर परियोजना को भ्रष्टाचार से भर दिया और मेट्रो परियोजनाओं, वधावन बंदरगाह और समृद्धि महामार्ग जैसी महत्वपूर्ण पहलों को अवरुद्ध कर दिया है। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में भाजपा-महायुति सरकार ने प्रगति को बहाल किया है। महाराष्ट्र ने विकास में अपना गौरव और विश्वास पुनः प्राप्त किया है। जहां भाजपा-महायुति है, वहां गति है, वहां महाराष्ट्र की प्रगति है।

विकसित महाराष्ट्र और एक मजबूत भारत के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना आवश्यक है

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक विकसित महाराष्ट्र और एक मजबूत भारत के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समाज आगे बढ़ता है। पिछले एक दशक में हमारी सरकार ने सभी बड़े फैसलों में महिलाओं को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए हमारी सरकार के कदमों से कांग्रेस और उसके सहयोगी नाराज हैं। महायुति सरकार की 'माझी लड़की बहिन योजना' को व्यापक सराहना मिली है, फिर भी कांग्रेस इसे बंद करने की साजिश कर रही है।महाराष्ट्र के किसानों को लेकर मोदी ने कहा कि डबल इंजन वाली सरकार के तहत महाराष्ट्र के किसानों को दोहरा लाभ मिल रहा है। फसल बीमा, सोलर पंप और रिकॉर्ड-हाई एमएसपी जैसी पहल कांग्रेस द्वारा छोड़ी गई कमी को पूरा कर रही हैं। भाजपा और महायुति की यह प्रतिबद्धता हमारे किसानों की समृद्धि और राष्ट्र की वृद्धि सुनिश्चित करती है।

हमारी सरकार ने महिलाओं को दी प्राथमिकता

मोदी ने कहा, महाराष्ट्र आर्थिक विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। महायुति सरकार महिलाओं, युवाओं और आदिवासियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। निरंतर प्रगति के लिए आपका समर्थन महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समाज भी आगे बढ़ता है। पिछले एक दशक में हमारी सरकार ने सभी बड़े फैसलों में महिलाओं को प्राथमिकता दी है।

सोपोर में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच भीषण मुठभेड़, 2 दहशतगर्द ढेर

श्रीनगर/एजेंसी।

जम्मू एवं कश्मीर के सोपोर इलाके में छिपे हुए आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। आधी रात से जारी मुठभेड़ में सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने कहा कि सोपोर के सागीपोरा इलाके में आतंकवादियों के एक समूह के छिपे होने की विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद संयुक्त अभियान शुरू किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबल छिपे हुए आतंकवादियों के करीब पहुंचे तो उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने जवाबी गोलीबारी की, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। खबर है कि यहां दो से तीन आतंकवादी छिपे हुए हैं और दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया है।

आतंकवादियों द्वारा किए गए कई हमलों के बाद सुरक्षा बलों ने हाल के दिनों में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान बढ़ा दिया है। पिछले 58 घंटों के दौरान दो आतंकवादी मारे गए, एक कुपवाड़ा जिले के लोलाब इलाके में और दूसरा बांदीपोरा जिले के केटसुन जंगलों में सुरक्षा बलों ने मारा। आतंकवादियों ने 20 अक्टूबर को गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में एक बुनियादी ढांचा परियोजना कंपनी के श्रमिक शिविर पर हमला कर सात लोगों की हत्या कर दी थी। 24 अक्टूबर को आतंकवादियों ने बारामूला जिले के गुलमर्ग के बोटापाथरी इलाके में सेना के वाहन पर हमला कर तीन सेना के जवानों और दो नागरिक कुलियों की हत्या कर दी थी। गगनगीर और गुलमर्ग की व्यापक रूप से निंदा की गई।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि इन दो आतंकवादी हमलों में शामिल लोगों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि नागरिकों के खून-खराबे का एक-एक बूंद का बदला लिया जाएगा। सोपोर इलाका अतीत में अलगाववादियों का गढ़ रहा है और 1990 के बाद कई वर्षों तक विभिन्न संगठनों के आतंकवादी वहां सक्रिय रहे थे।

एएमयू विवाद: 1967 का अपना ही फैसला सुप्रीम कोर्ट ने पलटा

एएमयू का अल्पसंख्यक दर्जा बरकरार

● न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, संस्थान का अल्पसंख्यक दर्जा कानून द्वारा बनाए जाने के कारण खत्म नहीं होता

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मामले में 1967 का अपना एक फैसला पलटते हुए शुक्रवार को कहा कि किसी संस्थान को सिर्फ इसलिए अल्पसंख्यक दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह संसदीय कानून द्वारा स्थापित किया गया है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ ने बहुमत के आधार पर अजीज बाशा मामले में 1967 के फैसले को खारिज कर दिया, जो अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को कानून द्वारा बनाए जाने के कारण अल्पसंख्यक दर्जा से वंचित करने का आधार बना था।

पीठ ने कहा कि अल्पसंख्यक संस्थान की स्थापना अल्पसंख्यक द्वारा की जा सकती है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे अल्पसंख्यक सदस्यों द्वारा ही प्रशासित किया जाए।

मुख्य न्यायाधीश ने स्वयं और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति जे बी पादीवाला और

न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की ओर से बहुमत का फैसला सुनाया। हालांकि, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा ने अपने-अपने असहमति वाले फैसले दिए। बहुमत के आधार पर फैसला देने वाले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि संस्थान का अल्पसंख्यक दर्जा कानून द्वारा बनाए जाने के कारण खत्म नहीं होता।

अदालत ने बहुमत के फैसले में कहा कि किसी संस्थान को सिर्फ इसलिए अल्पसंख्यक दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह संसदीय कानून द्वारा स्थापित किया गया है। अदालत ने कहा ऐसी स्थापना और अन्य पहलुओं से जुड़े विभिन्न कारकों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

अल्पसंख्यक दर्जा से वंचित कर दिया था विश्वविद्यालय को

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि अल्पसंख्यक संस्थान धर्मनिरपेक्ष शिक्षा पर जोर देना चाह सकते हैं और इसके लिए प्रशासन में अल्पसंख्यक सदस्यों की आवश्यकता नहीं है। शीर्ष अदालत ने फैसले की घोषणा के साथ ही मामले को तीन न्यायाधीशों की पीठ को सौंप दिया ताकि 2006 के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से उत्पन्न मुद्दे पर निर्णय लिया जा सके, जिसने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को उसके अल्पसंख्यक दर्जा से वंचित कर दिया था। पीठ ने कहा कि एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे का मुद्दा अब एक नियमित पीठ द्वारा तय किया जाना है, ताकि तथ्यात्मक निर्धारण किया जा सके कि क्या इसे अल्पसंख्यक द्वारा 'स्थापित' किया गया था। वर्ष 1967 में 'एस अजीज बाशा बनाम यूनियन ऑफ इंडिया' मामले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि चूंकि एएमयू एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, इसलिए इसे अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता।

कार्यक्रम राष्ट्रपति ने केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरुकता सप्ताह समारोह को किया संबोधित

भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए अपनाना होगा व्यापक दृष्टिकोण

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार को आर्थिक प्रगति में बाधक बताया और कहा कि इसका व्यापक प्रभाव देश की एकता और अखंडता पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा। इस बीमारी की जड़ तक जाना होगा।

केवल लक्षणों के जरिये इसे ठीक करना प्रभावी नहीं होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर देगी। राष्ट्रपति नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के सतर्कता जागरुकता सप्ताह समारोह को संबोधित कर रही थीं। सीवीसी हर वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाता है। उन्होंने कहा कि सतर्कता जागरुकता सप्ताह का इस वर्ष का सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि विषय अत्यंत उपयोगी है। इस मौके पर राष्ट्रपति के साथ मंच पर सेंट्रल विजिलेंस कमिश्नर (सीवीसी) पीके श्रीवास्तव, विजिलेंस कमिश्नर ए.एस. राजीव और सीवीसी सचिव पी. डेनियल उपस्थित थे।

स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छे परिणाम सामने आए हैं: मुर्मु

● पीएमएलए के तहत सरकार ने 12 अरब डॉलर से अधिक की संपत्तियां जब्त की हैं
● भारत सरकार की नीति से भ्रष्टाचार जड़ से समाप्त हो जाएगा

राष्ट्रपति ने कहा कि अगर कोई भी काम सही भावना और दृढ़ संकल्प के साथ किया जाए तो सफलता निश्चित है। कुछ लोग गंदगी को ही हमारे देश की नियति मानते थे लेकिन मजबूत नेतृत्व, राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिकों के योगदान से स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छे परिणाम सामने आए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि इसी तरह कुछ लोगों द्वारा भ्रष्टाचार के उन्मूलन को असाध्य मान लेना एक निराशावादी दृष्टिकोण है। पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार उन्मूलन की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा उठाये गये कदमों का हवाला देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से कल्याणकारी सहायता के वितरण में पारदर्शिता आई है। उन्होंने सार्वजनिक खरीद में ई-टेंडरिंग के प्रावधान और ई-मार्केट प्लेस का उदाहरण दिया।

आर्थिक प्रगति में बाधक है भ्रष्टाचार

राष्ट्रपति ने विश्वास को सामाजिक जीवन का आधार बताया और कहा कि यह एकजुटता की शर्त है और संबंधों को प्रगाढ़ बनाता है। सरकार के कार्य और कल्याणकारी योजना में जनविश्वास से भी शासन को शक्ति मिलती है। उन्होंने भ्रष्टाचार को आर्थिक प्रगति में बाधक बताया और कहा कि ये समाज में विश्वास को भी कम करता है। इससे लोगों के बीच बंधुता कम होती है। इसका व्यापक प्रभाव देश की एकता और अखंडता पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा। इस बीमारी की जड़ तक जाना होगा। केवल लक्षणों के जरिये इसे ठीक करना प्रभावी नहीं होगा। ट्रेन में यात्री का सामान छूटने और गरीब व्यक्ति द्वारा उसे पुलिस को सौंपे जाने की समाचारों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वह चाहता तो उस सामान को अपने घर ले जा सकता था लेकिन गरीब होने के बावजूद उसे सही गलत की पहचान है। ये नैतिकता ही भारतीय समाज का आदर्श है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज सीमित संसाधनों में भी प्रसन्न और संतुष्ट रहते हैं।

बिहार : छठ पूजा के दौरान तालाब में पलटी नाव, दो की मौत

छपरा/एजेंसी।

बिहार के सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक नाव हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार थे और तालाब में जाने के बाद यह पलट गई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह हादसा पचभिंडा गांव की है, जहां तालाब के एक ओर छठ व्रती उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित पर रहे थे, वहीं दूसरी ओर कुछ युवक तालाब के किनारे खड़ी एक नाव पर सवारी करने लगे। बताया जाता है कि मछली मारने के लिए रखे गए नाव पर करीब 10 युवक सवार हो गए और तालाब में जाने लगे। नाव अभी तालाब के अंदर कुछ ही दूर आगे बढ़ी थी कि क्षमता से अधिक लोगों के सवार होने के कारण नाव पलट गई। इस हादसे के बाद घाट पर अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नाव के साथ उसमें सवार लोग पानी में गिरते हुए नजर आ रहे हैं।

तरैया के थाना प्रभारी आशुतोष कुमार ने आईएएनएस को बताया कि नाव दुर्घटना के बाद आठ लोग तैरकर बाहर निकल गए, लेकिन दो लोगों की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों शवों को तालाब से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। मृतकों की पहचान बिट्टू कुमार सिंह और सूरज कुमार के रूप में हुई है। इस घटना के बाद गांव में छठ की खुशी मातम में बदल गयी । बिट्टू अपने घर का इकलौता बेटा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अपराधियों को बचाने में अधिकारियों की संलिप्तता!

जब अधिकारी अनैतिक आचरण में लिप्त होते हैं, तो कानून प्रवर्तन में जनता का भरोसा कम होता है, जिससे संस्थाओं में विश्वास टूटता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल (2023) की रिपोर्ट में पुलिस भ्रष्टाचार को भारत के सार्वजनिक संस्थानों में अविश्वास का एक प्रमुख कारण माना गया है। जब कानून प्रवर्तन अपराधियों को बचाता है, तो यह दो–स्तरीय न्याय प्रणाली बनाता है, जहां शक्तिशाली लोग परिणामों से बच निकलते हैं।

वोहरा समिति की रिपोर्ट (1993) ने अपराधियों, राजनेताओं और पुलिस के बीच सांठगांठ का खुलासा किया, जिससे कानून प्रवर्तन की अखंडता से समझौता हुआ। अपराधियों को बचाने में शामिल अधिकारी पीड़ितों को न्याय से वंचित करने में योगदान करते हैं, जिससे दंड से मुक्ति का चक्र चलता रहता है। बिहार और उत्तर प्रदेश (2022–23) में हाल ही में हुए हाई–प्रोफाइल मामलों में पुलिस की संलिप्तता प्रभावशाली अपराधियों को बचाने और न्याय में देरी करने में देखी गई है। इस तरह का अनैतिक व्यवहार पुलिस बल के भीतर भ्रष्टाचार की संस्कृति को बढ़ावा देता है, जिससे संभावित रूप से संस्थागत अपराध को बढ़ावा मिलता है। मुंबई पुलिस (2021) के भीतर भ्रष्टाचार के घोटालों ने उजागर किया कि कैसे वित्तीय लाभ के लिए अपराधियों को बचाया जाता है। पुलिस द्वारा अपराधियों को संरक्षण दिए जाने की सार्वजनिक जानकारी से अराजकता बढ़ती है और सामाजिक अशांति पैदा होती है, जिससे शासन व्यवस्था कमजोर होती है। उत्तर प्रदेश में (2023) हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए, जब पुलिस द्वारा स्थानीय माफाया समूह को संरक्षण दिए जाने की रिपोर्ट सामने आई।

पुलिस अधिकारियों के लिए मूल्य–आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने से उनमें नैतिक व्यवहार और ईमानदारी पैदा हो सकती है, जिससे भ्रष्टाचार कम हो सकता है। दूसरा एआरसी (2008) पेशेवर जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए पुलिस प्रशिक्षण में नैतिक मॉड्यूल की सिफारिश करता है। आंतरिक निगरानी और पुलिस शिकायत प्राधिकरण जैसे बाहरी निकायों को मजबूत करना अनैतिक व्यवहार के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करता है। प्रकाश सिंह मामले (2006) ने पुलिस सुधारों को जन्म दिया, जिसमें स्वतंत्र जवाबदेही तंत्र स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। व्हिसल–ब्लोअर सुरक्षा सुनिश्चित करने से अधिकारी बिना किसी प्रतिशोध के डर के अनैतिक व्यवहार की रिपोर्ट कर सकते हैं, जिससे पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है। व्हिसल–ब्लोअर सुरक्षा अधिनियम (2014) भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले लोक सेवकों के लिए सुरक्षा उपाय प्रदान करता है।

अपराधियों को बचाने वाले अधिकारियों के लिए कठोर कानूनी दंड लगाना एक निवारक के रूप में कार्य करता है, जो नैतिक मानकों का पालन सुनिश्चित करता है। 2023 में, यूपी पुलिस ने आपराधिक साजिश में शामिल होने के लिए कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया, जो शून्य–सहिष्णुता के दृष्टिकोण का संकेत देता है। बॉडी कैम और स्वचालित निगरानी जैसे प्रौद्योगिकी–संचालित समाधानों को लागू करने से वास्तविक समय की निगरानी प्रदान करके पुलिस के कदाचार को रोका जा सकता है। तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्य पुलिस की जवाबदेही बढ़ाने के लिए बॉडी कैमरा अपना रहे हैं। समुदाय–पुलिस भागीदारी को मजबूत करने से विश्वास को बढ़ावा मिलता है और समुदायों को अधिकारियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने की अनुमति मिलती है। केरल में जनमैत्री सुरक्षा परियोजना बेहतर पुलिस–समुदाय संबंधों को बढ़ावा देती है, जिससे भ्रष्टाचार के मामले कम होते हैं। कानून प्रवर्तन में नैतिक अखंडता का निर्माण करने के लिए संस्थागत सुधार, जवाबदेही तंत्र और कदाचार को रोकने के लिए मजबूत कानूनी ढांचे की आवश्यकता होती है।

प्रशिक्षण और सामुदायिक जुड़ाव द्वारा समर्थित नैतिकता की संस्कृति जनता के विश्वास को बहाल करने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। ज्ञान, तर्कसंगतता और नैतिक उत्कृष्टता के प्रति समर्पण के अपने स्तर पर निर्भर करता है। आदर्श नैतिक आचरण से कम कुछ भी विभाग, समुदाय और पूरे राष्ट्र के लिए विनाशकारी हो सकता है। जबकि अधिकारी केवल इंसान हैं और गलतियां करते रहेंगे, नैतिक कदाचार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अपने अधिकारियों के नैतिक व्यवहार को सुनिश्चित करने के लिए, एजेंसियों के पास तीन बुनियादी सिद्धांत होने चाहिए।

सबसे पहले, उनके पास एक नीति होनी चाहिए जो उनके नैतिक मिशन को स्पष्ट करती हो और ऐसे मानक तय करती हो जिनका अधिकारियों को पालन करना चाहिए। दूसरा, मजबूत और नैतिक नेतृत्व मौजूद होना चाहिए और उसे लागू किया जाना चाहिए। ये अधिकारी विभाग के लिए माहौल बनाते हैं और उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करते हैं, नैतिक मार्ग के बदले कभी भी आसान रास्ता नहीं चुनते। तीसरा, एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे नैतिक लोगों को नियुक्त करें और उन लोगों के साथ उचित तरीके से पेश आएं जो नैतिक नहीं हैं। एक नैतिक संगठन को मौजूदा नीतियों और मानकों का ईमानदारी से पालन करने, प्रदर्शन के किसी व्यक्तिगत या सामूहिक पैटर्न का पता लगाने की क्षमता की आवश्यकता होगी जो उस अपेक्षा से कम हो और उन लोगों से निपटने का साहस जो उन विफलताओं के लिए जिम्मेदार हैं।

शांति और विकास के लिए विज्ञान के साथ अध्यात्म जुड़े

ललित गर्ग

शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस हर साल 10 नवंबर को मनाया जाता है। विश्व विज्ञान दिवस का प्रस्ताव पहली बार 1999 में हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व विज्ञान सम्मेलन के दौरान रखा गया था। यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में इस बात पर चर्चा की गई कि विज्ञान समाज पर किस प्रकार प्रभाव डालता है और समाज के लिये अधिक उपयोगी हो सकता है। इसी उद्देश्य से विज्ञान की अहमियत को सामने लाना और विज्ञान से जुड़े मुद्दों पर आम लोगों की बहस को बढ़ावा देकर इस दिन के ज़रिए, विज्ञान को समाज एवं व्यक्ति से और ज्यादा करीबी से जोड़ा गया है। यह दिन हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व और उसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए युग की समस्याओं एवं चुनौतियों का समाधान करता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कैसे विज्ञान जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और प्राकृतिक आपदाओं जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने में मदद करता है। यह युवाओं को विज्ञान का पता लगाने और दुनिया कैसे काम करती है, इस बारे में जिज्ञासा विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। जागरूकता बढ़ाकर, विश्व विज्ञान दिवस लोगों को समाज पर वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के सकारात्मक प्रभाव की सराहना करने के लिए एक साथ लाता है। लेकिन अब इस दिवस के साथ अध्यात्म को भी जोड़ा जाना चाहिए। तेजी से बदलती दुनिया में कई महत्वपूर्ण कारणों से हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान महत्वपूर्ण है और समाज पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। विज्ञान दिवस उन वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की कड़ी मेहनत को मान्यता देता है जिन्होंने ज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में मदद की है। यह दिन वैज्ञानिकों, शिक्षकों और जनता के बीच टीमवर्क को बढ़ावा देता है ताकि वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए विश्वास और समर्थन का निर्माण किया जा सके। विज्ञान दिवस मनाकर, हमारा उद्देश्य सभी में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम–संबंध को प्रेरित करना है, जिससे एक अधिक आदर्श, संतुलित एवं शांतिपूर्ण समाज का निर्माण हो सके। वैज्ञानिक खोजें दुनिया भर में शांति और विकास में सहयोग करते हुए लोगों को नई वैज्ञानिक प्रगति के बारे में बताती है। गरीबी, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य चुनौतियों जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने के लिए विज्ञान के ज़िम्मेदाराना उपयोग को प्रोत्साहित भी करती है। वैज्ञानिक इस उल्लेखनीय नाजुक ग्रह एवं सृष्टि के बारे में हमारी समझ को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसे हम अपना घर कहते हैं और हमारे समाजों को अधिक टिकाऊ बनाने में भूमिका निभाते हैं।

शांतिपूर्ण और स्थायी समाज के लिए विज्ञान की भूमिका पर जन जागरूकता को मजबूत करते हुए यह दिवस विभिन्न देशों के बीच साझा विज्ञान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देता है। समाज के लाभ के लिए विज्ञान के उपयोग के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना तथा विज्ञान के सामने आने वाली चुनौतियों की

ओर ध्यान आकर्षित करना और वैज्ञानिक प्रयास के लिए समर्थन जुटाना भी इस दिन का ध्येय है।. आज जबकि जलवायु परिवर्तन अरबों लोगों और ग्रह के जीवन के लिए एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है, इसके लिये जलवायु परिवर्तन को सकारात्मक मोड़ देने के लिए विश्व समुदायों का निर्माण करने की अपेक्षा है। यह दिवस हमारे दैनिक जीवन पर विज्ञान के प्रभाव का प्रतीक है। यह हमें वैज्ञानिक प्रगति को आकर्षित करने और हमारे ग्रह के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र की अधिक गहन समझ को प्रोत्साहित करने का आग्रह करता है। विज्ञान के ज़रिए वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद करना और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए युवाओं को प्रेरित करना भी इस दिवस का मकसद रहा है।

यूनेस्को द्वारा 2001 में इसकी घोषणा के बाद से, शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस ने दुनिया भर में विज्ञान के लिए कई ठोस परियोजनाएं, कार्यक्रम और वित्तपोषण उत्पन्न किया है। इस दिवस ने संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले वैज्ञानिकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद की है, इसका एक उदाहरण यूनेस्को द्वारा समर्थित इजरायल–फिलिस्तीनी विज्ञान संगठन का निर्माण है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2024–2033 की अवधि को सतत विकास के लिए विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में घोषित किया है। यह एक स्थायी भविष्य के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का दोहन करने के वैश्विक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूनेस्को के नेतृत्व में, इस दशक का उद्देश्य बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान, सामाजिक और मानव विज्ञान, साथ ही अंतःविषय और उभरते क्षेत्रों सहित वैज्ञानिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को संगठित करना है, ताकि समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण में परिवर्तनकारी बदलाव में योगदान दिया जा सके। वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देने और सरकारों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करके, दशक सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने और सभी के लिए सुरक्षित, अधिक समृद्ध, शांतिपूर्ण भविष्य की दिशा में काम करने में विज्ञान की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास करता है। निश्चित ही विज्ञान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार किया है, रोज़गार के अवसर बढ़ाए हैं, असंख्य लोगों की जान बचाई है, कई उद्योगों में अहम भूमिका निभाई है, ऊर्जा और पानी तक पहुंचने में मदद की है, बीमारियों को ठीक करने में मदद की है, चिकित्सा–क्रांति का माध्यम बनकर कर असाध्य बीमारियों को नियंत्रित किया है।

विकास, विज्ञान एवं उपलब्धियों पर सवार आज की दुनिया का एक बहुत बड़ा वर्ग आज भी गरीबी, अभाव, भूखमरी में घुटा–घुटा जीवन जीता है, जो परिस्थितियों के साथ संघर्ष नहीं, समझौता करवाता है। हर वक्त अपने आपको असुरक्षित–सा महसूस करता है। जिसमें आत्मविश्वास का अभाव अंधेरे में जीना सिखा देता है। विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी जटिल स्थितियों में विज्ञान दिवस ने सभी को भोजन देने में मदद की है, शांति एवं सह–जीवन के निर्माण में मदद की है।

विज्ञान दिवस को अधिक उपयोगी एवं प्रासंगिक बनाने की अपेक्षा है। अब तक विज्ञान अध्यात्म से अछूता रहा है, जिसके कारण विज्ञान के वास्तविक परिणाम सामने नहीं आ पाये हैं। जरूरत है अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वित प्रयत्नों की, आध्यात्मिक–वैज्ञानिक व्यक्तित्वों के निर्माण की। नये सत्यों को खोजने की। न्यूटन से कहा गया– 'आपने बहुत से नियम खोजे हैं।' उन्होंने बहुत मार्मिक उत्तर दिया– 'तुम लोग कुछ भी कहो। लेकिन मेरी स्थिति तो समुद्र के तट पर खड़े उस बालक जैसी है, जो समुद्र के किनारे पड़ी सीपियों को बटोर रहा है। किन्तु विशाल समुद्र के गर्भ में छिपे रत्न उससे बहुत दूर हैं। विज्ञान की स्थिति भी अध्यात्म के बिना लगभग ऐसी ही है। विज्ञान एवं वैज्ञानिक व्यक्तित्व तभी अधिक प्रासंगिक हो सकेगे जब चेतना की खोज, मानव की खोज होगी। आज इसकी सर्वाधिक अपेक्षा है। मानव की खोज बहुत कम हुई है। वैज्ञानिकों ने जितने परीक्षण किये हैं, चूहों पर, मेढकों और बन्दरों पर किए हैं। सारे प्रयोग पशुओं पर हुए हैं। मनुष्य को उसने अपनी प्रयोग भूमि नहीं बनाया। मनुष्य को समझने का सबसे कम प्रयत्न हुआ है।

अब आवश्यकता है कि मानव का भलीभांति अध्ययन हो। मानवीय मस्तिष्क का अध्ययन उसमें प्रमुख बने। हमारी सारी शिक्षा, सभ्यता, संस्कृति, तकनीकी विकास, सारे जीवन–मूल्य–इनका अधिष्ठाता प्रतिष्ठाता तो मनुष्य का मस्तिष्क है, नाड़ीतंत्र है, ग्रंथितंत्र है। इन सबका अध्ययन तो नहीं किया जा रहा है, समझने का प्रयत्न नहीं किया जा रहा है, सारी रिसर्च पदार्थ पर हो रही है। यह मूल में भूल है। फिर समस्या का समाधान कैसे होगा? आवश्यक है मानव और मानवीय चेतना का अध्ययन। जिस दिन यह हमारी वृत्ति बनेगी उस दिन अध्यात्म और विज्ञान, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक व्यक्तित्व की युति बनेगी, दोनों का योग बनेगा, दोनों एक बनेंगे, तभी विश्व विज्ञान दिवस मनाना सार्थक होगा। आध्यात्मिक गुफा में मौन बैठा रहेगा और वैज्ञानिक अणुबम बनाता रहेगा तो उस अणुबम की अणुधूलि उस गुफा तक भी पहुंचेगी। इसलिए आज की अपेक्षा है कि हर विद्यार्थी वैज्ञानिक बने किन्तु कोरा वैज्ञानिक न बने, आध्यात्मिक वैज्ञानिक बने। आज हर धर्म संस्थान में जाने वाले व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल आध्यात्मिक न बने, उसका दृष्टिकोण वैज्ञानिक बने। इन दोनों का योग ही वर्तमान की सारी समस्याओं–जलवायु परिवर्तन, युद्ध, हिंसा, आतंक, गरीबी, महामारियों का समाधान है और यही विज्ञान दिवस का पहला प्रयत्न या पहला प्रस्थान अधिक उपयुक्त हो सकता है।

आखिर आतंकवाद चाहता कौन है ?

योगेश कुमार सोनी

जम्मू–कश्मीर में नई सरकार बनने के बाद लगातार हो रहे आतंकी हमलों से हर कोई परेशान है। केंद्र सरकार के साथ लगभग सभी राजनीतिक दल इस बात से हैरान भी हैं कि आमजन में दहशत क्यों फैलाई जा रही है। आश्चर्य इस बात का भी है कि इस बार एक माह के भीतर हमले वहां हुए जहां पहले कभी नहीं हुए। मजदूरों तक को निशाना बनाया गया। इस विषय में सभी दलों के बड़े नेताओं से चर्चा भी हुई तो उन्होंने आतंकवाद का एक सुर में विरोध किया। यह सुनकर अच्छा भी लगा कि हर कोई आतंकवाद के विरुद्ध है। यहां समझना जरूरी है कि विशेषज्ञों का बड़ा तबका यह मानता है कि किसी भी प्रकार का हमला बिना किसी नेता या बड़े रसूख वाले व्यक्ति की मिलीभगत के बिना संभव नहीं। हालांकि पूर्व में जो भी हमले हुए, उनके बारे में पुलिस जांच का निष्कर्ष है कि इनमें स्थानीय लोगों का भी हाथ रहा है। मगर यह लोग कभी नहीं पकड़े गए। जो पकड़ा गया वह अलगाववादी नेता या किसी अन्य पार्टी का कार्यकर्ता व नेता ही मिला, लेकिन कभी भी इस बात को उजागर नहीं होने दिया जाता था।

आश्चर्य की बात यह है कि आतंकी घटनाक्रम को नेता अपने एक पैटर्न से समझाते आ रहे हैं कि आतंकवादी संगठन जम्मू–कश्मीर के युवाओं के दिमाग में जहर भरते हैं जिसको लेकर उनके दिल–दिमाग में कट्टरता आ जाती है और देश विरोधी गतिविधि के में शामिल हो जाते हैं और इसका आरोप पाकिस्तान पर मढ़ देते हैं। बात में काफी हद तक सच्चाई भी है लेकिन सवाल यह ही है कि आमजन जो

जीवन में अपनी रोजी–रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है उसे पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों से मिलवाता कौन है या सबसे पहले माइंड कौन डायवर्ट करता है। इन सभी बातों के आधार पर तो यह तय हो जाता है कि देश की असली दुश्मन देश में ही हैं। हम हर छोटे से छोटे हमले पर भी पाकिस्तान पर बात टाल देते हैं। यह सत्य है कि पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्रियां खोले बैठा है लेकिन हमें अपने देश में पल रहे पाकिस्तान परस्त लोगों व आतंकियों पर भी चर्चा करनी होगी। चर्चा हुई भी। पकड़े भी गए लेकिन पूर्ण रूप खत्म न होने पर जनता अभी भी परेशान है। हाल ही की स्थिति यह है कि जम्मू–कश्मीर के लोग अपने घर से बाहर निकलते हैं लेकिन वापस घर आएंगे यह पता नहीं। चूंकि आतंकवादी किसी पर भी बिना वजह हमला कर रहे हैं। उद्देश्य स्पष्ट न होने की वजह से अभी तक तो यह माना जा रहा है कि दहशत फैलाने की वजह से यह सब हुआ। पड़ोसी देश से आतंकवाद पर कई बार चर्चा हुई लेकिन आजादी लेकर आज तक कोई हल नहीं निकला। हमें सबसे पहले उन लोगों पर एक्शन लेना होगा जो अपने ही देश में रहकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। यह स्पष्ट है हर सरकार के कालखंड में वह खुलकर अंजाम देते आ रहे हैं। हर सरकार इसके इसके लिए चिंतित तो जरूर दिखती है लेकिन देश की जनता के मन में प्रश्न जरूर आता है कि बिना किसी की मिलीभगत से आतंकवाद कैसे संभव है। वैसे तो पूरे देश की जनता के लिए मुद्दा सुरक्षा का होता है लेकिन जम्मू–कश्मीर की जनता के लिए यह सर्वप्रथम रहता है। नई सरकार गठित होते ही जिस तरह आतंकवादियों हमले करते जा रहे हैं उससे वह क्या संदेश देना चाहते हैं यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समेत सभी दल के नेता परेशान हैं। कोई किसी की बुराई–भलाई नहीं कर रहा जिसे देखकर यह तो महसूस हो रहा है कि आतंकवाद को नियंत्रित करना आसान काम नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान से वार्ता करनी चाहिए लेकिन जब से दोनों देश आजाद हुए हैं भारत सरकार ने इस मामले पर शुरुआत से चर्चा ही की है और हल आज तक नहीं निकला। कई बार सुना है कि पाकिस्तान को कड़े स्वर में समझा दिया गया है लेकिन उसका असर कभी नहीं दिखा। बहरहाल,नई सरकार बनते ही जम्मू–कश्मीर में आतंकी हमलों ने वहां की जनता को दहला दिया है। हर रोज परिस्थितियां विषम होती जा रही हैं जिसको लेकर मौजूदा स्थिति में यह देश का बडा मुद्दा बन गया। अब आतंकवादी किसी विशेष को टारगेट न करके आमजन को निशाना बना कर एक अलग तरह की दहशत फैला रहे हैं।आतंकवादी अब जम्मू–कश्मीर की जनता के अलावा वहां के प्रवासियों को भी निशाना बना रहे हैं। इसलिए अब आतंकवाद पर केन्द्र सरकार को राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

उमर अब्दुल्ला का 370 बहाली का सपना टकराव को न्योता

मनोज कुमार अग्रवाल

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पैतरा बदलते हुए जम्मू–कश्मीर में 370 की बहाली के लिए विधानसभा में प्रस्ताव लाकर यह बता दिया है कि राजनीति में देश से अधिक अपने वोट बैंक और स्वार्थ की तवज्जो देना पड़ता है। इस कदम से उनकी कथनी और करनी में फर्क अभी से सामने आ गया है। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर काम करने का दावा करने वाले उमर अब्दुला ने नई पहल के साथ अपने कदम पीछे खींच लिये हैं। ये मसला केंद्र सरकार और उप राज्यपाल तक तो अभी नहीं पहुंचा है, लेकिन जम्मू– कश्मीर विधानसभा में जो नजारा दिखा है, उससे बहुत कुछ साफ हो गया है। जम्मू–कश्मीर विधानसभा का सत्र 4 नवंबर को शुरू हुआ था, और चौथा दिन आते आते हंगामे से हालात इतने बेकाबू हो गये कि विधायकों को कंट्रोल करने के लिए मार्शल बुलाने पड़े। असल में सत्र के तीसरे दिन ही विधानसभा में एक प्रस्ताव पास किया गया, जिसमें फिर से जम्मू–कश्मीर में धारा 370 बहाल करने की मांग की गई है। 5 अगस्त, 2019 को संसद ने प्रस्ताव के जरिये जम्मू–कश्मीर से जुड़ा अनुच्छेद 370 खत्म करते हुए राज्य को दो हिस्सों में बांट कर केंद्र शासित क्षेत्र घोषित कर दिया था। सूबे के क्षेत्रीय दल फिर से जम्मू–कश्मीर में पुरानी स्थिति बहाल करने की मांढग करते रहे हैं। केंद्र सरकार की तरफ से शुरू से ही आश्वस्त किया जा रहा है कि जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा फिर से वहाल कर दिया जाएगा। राज्य के क्षेत्रीय दल, जिसमें कांग्रेस नेता भी शामिल थे, पहले स्टेटहुड फिर चुनाव कराने की मांग करते आ रहे थे जिसे केंद्र सरकार ने नामंजूर कर दिया था। चुनाव भी हो गया, और जम्मू–कश्मीर में नई सरकार भी बन गई। अब लग रहा था कि केंद्र शासित क्षेत्र जम्मू–कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य के रूप में बहाल कर दिया जाएगा। लेकिन जिस तरह से बवाल शुरू हुआ, लगता नहीं कि ये सब निकट भविष्य में होने वाला है। जम्मू–कश्मीर विधानसभा सत्र के तीसरे दिन डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार चौधरी ने धारा 370 से ० से जुड़ा प्रस्ताव पेश किया था। नेशनल कांफ्रेंस सरकार के प्रस्ताव का कांग्रेस ने तो समर्थन किया, लेकिन बीजेपी विधायकों ने जोरदार विरोध जताया। प्रस्ताव के विरोध में बीजेपी के विधायक 5 अगस्त जिंदाबाद और जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है, जैसे नारे लगा रहे थे। बीजेपी नेता कह रहे हैं कि अनुच्छेद 370 हटाने का फैसला फाइनल है, लेकिन अब्दुल्ला परिवार और नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू–कश्मीर के लोगों को भावनात्मक तौर पर ब्लैकमेल करने के लिए ये प्रस्ताव पास किया है। जम्मू–कश्मीर विधानसभा में पास किये गये प्रस्ताव में कहा गया है, ये विधानसभा विशेष दर्जे और संवैधानिक गारंटी के महत्व को पुष्टि करती है, जिसने जम्मू–कश्मीर के लोगों की पहचान,

संस्कृक्ति और अधिकारों की रक्षा की... लोगों के अधिकारों के एकतरफा खत्म करने पर सदन चिंता व्यक्त करता है... ये विधानसभा भारत सरकार से जम्मू–कश्मीर के लोगों के चुने हुए नुमाइंदों के साथ विशेष दर्जा, संवैधानिक गारंटी की बहाली के लिए बातचीत शुरू करने और प्रावधानों को बहाल करने के लिए संवैधानिक व्यवस्था चनाने की अपील करती है। जम्मू–कश्मीर विधानसभा का चुनाव नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने चुनाव पूर्व गठबंधन के तहत लड़ा था। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने मैनिफेस्टो में पूर्ण राज्य का दर्जा वापस लेने और धारा 370 को बहाल करने का वादा किया था। गठबंधन में साथ होने के बावजूद कांग्रेस नेता राहुल गांधी धारा 370 के जिक्र से बच रहे थे, और सिर्फ स्टेहुड की वापसी के बादे में शामिल दिखे लेकिन, विधानसभा में पेश प्रस्ताव का कांग्रेस विधायकों ने भी समर्थन किया है। प्रस्ताव पास किये जाने के अगले ही दिन यानी 7 नवंबर को जम्मू–कश्मीर विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों के बीच जमकर हाथापाई हुई है। सत्ता पक्ष और विपक्षी बीजेपी के विधायकों ने एक–दूसरे का कॉलर पकड़ा और काफी धकामुक्की की। बवाल बड़ने पर मार्शल बुलाने पड़े और विधानसभा की कार्यवाही भी स्थगित करनी पड़ी। बवाल तब शुरू हुआ जब लंगेट से विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने सदन में अनुच्छेद 370 का बैनर लहराया। विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने बैनर दिखाये जाने का विरोध किया जिसके बाद विधायकों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। खुर्शीद अहमद शेख, बारामूला से लोकसभा सांसद इंजीनियर राशिद के भाई हैं। नेता प्रतिपक्ष के विरोध करते ही बीजेपी विधायक खुर्शीद अहमद शेख के पास पहुंचकर उनके हाथ से धारा 370 वाला बैनर छीन लिया। ये देखते ही नेशनल कांफ्रेंस के कुछ विधायक, सज्जाद लोन और वहीद पारा जैसे नेता खुर्शीद शेख के सपोर्ट में बीजेपी विधायकों से भिड़ गये। हंगामे के दौरान तीन विधायक घायल भी बताये जातें हैं, जब मार्शल बीजेपी विधायकों को बाहर ले जा रहे थे तब भी वे नारेबाजी करते रहे, विशेष दर्जा प्रस्ताव वापस लो। उमर अब्दुल्ला ने ये तो कहा था कि कि जम्मू–कश्मीर में नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव पास किया जाएगा, लेकिन धारा 370 को लेकर साफ तौर पर कुछ नहीं कहा था। कम से कम चुनावों के बाद तो बिलकुल नहीं। नेशनल कांफ्रेंस के मैनिफेस्टो की बात और है। बारामूला सांसद इंजीनियर राशिद ने धारा 370 को लेकर उमर अब्दुल्ला पर हमला भी बोला था। लोकसभा चुनाव में शिकस्त देने वाले इंजीनियर राशिद ने उमर अब्दुला पर दिल्ली के सामने झुक जाने का आरोप भी लगाया था। तब इंजीनियर राशिद का कहना था, धारा 370 की बहाली के नाम पर वो लोगों से वोट मांगते रहे, और अब कहते हैं कि जिसने ये छीना, उससे इसे फिर से बहाल किये जाने की उम्मीद मूर्खता है। हो सकता है धारा 370 को लेकर प्रस्ताव पास किया जाना उमर अब्दुल्ला पर किसी तरह के दबाव का हिस्सा हो, लेकिन केंद्र के साथ बेहतर रिश्तों की उनकी बातें तो अब बेमानी लगती हैं। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले उमर अब्दुल्ला कहते थे कि केंद्र के साथ बेहतर रिश्ते कायम करने की उनकी पूरी कोशिश होगी, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी उनको ऐसी अपेक्षा थी। लेकिन प्रस्ताव पास हो जाने के बाद तो केंद्र से किसी अपेक्षा का भी कोई मतलब नहीं रह जाता। ये भी उमर अब्दुल्ला का ही कहना था, हमे ये समझने की जरूरत है कि हमारा महकमा कौन कौन है, हमारे पास क्या शक्तियां हैं... कौन से फैसले हम ले सकतेहैं। कहां तक हम अपना कदम बढ़ा सकते हैं... हमारी हदें कहां तक हैं? सवाल ये है कि विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने के बाद उमर अब्दुल्लाकैसे कह सकेंगे कि ताली दोनो हाथों से बजती है फिर तो, जम्मू–कश्मीर में भी दिल्ली जैसी आशंका के बादल मंडराने लगे है।सवाल यह भी है कि जिस धारा 370 को हटाने को लेकर देश भर के मतदाताओं ने भाजपा को जनमत दिया किसी भी कीमत पर केंद्र की सत्तासीन सरकार 370 बहाली के मुद्दे पर झुक नही सकती है। ऐसे में यह सिर्फ विवाद का मुद्दा बना कर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश भर ही माना जा सकता हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

राइजिंग राजस्थान के जयपुर जिला स्तरीय निवेश शिखर सम्मेलन में 45,000 रुपये से अधिक के एमओयू हस्ताक्षर किये गए

राजस्थान सरकार सभी क्षेत्रों में प्रदेश की अपार संभावनाओं को जमीनी स्तर पर चरितार्थ करने में पूर्ण रूप से सक्षमः सीएम भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 8 नवंबर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत जयपुर, जयपुर ग्रामीण और दूदू जिलों के लिए राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में कुल 45,536.74 करोड़ के 263 निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे राजस्थान में 2 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।बैठक के दौरान सोलर पार्क्स के लिए 6700 करोड़ रुपये सहित प्रमुख एमओयू प्राप्त किए गए, जिनमें रत्न और आभूषण क्षेत्र के लिए 11,000 करोड़, गौ अभयारण्य के लिए 3,000 करोड़, सोना सिक्का द्वारा 600 करोड़ और एसवीए खाद्य तेल द्वारा 1,200 करोड़ सहित उल्लेखनीय निवेश शामिल हैं।इस आयोजन में 7 निवेशकों से लगभग 5000 करोड़ के अतिरिक्त प्रस्ताव प्राप्त हुए। कार्यक्रम में पोद्दार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन द्वारा आयोजित इनोफेस्ट इंडिया के निवेशकों में से एक रवि सिन्हा द्वारा ईवी क्षमता और नवीकरणीय ऊर्जा में 1000 करोड़ का प्रस्ताव दिया है।इसके साथ ही रवि सूर्या डेवलपर्स, एआरजी डेवलपर्स और मंगलम समूह द्वारा 1,000 करोड़ का निवेश प्रस्तावित किया गया। गारमेंट्स एक्सपोर्टर सीतापुरा एवं गारमेंट एक्सपोर्टर एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जीईएआर) ने 1800 करोड़ का 90 एमओयू के लिए प्रस्ताव दिया। निवेश के कुछ अन्य क्षेत्र मेडिकल कॉलेज, आईटी पार्क, तार और केबल, खेल शहर, मनोरंजन पार्क, शिक्षा संस्थान, रिसॉर्ट्स, फार्मा, ई-कचरा, आदि हैं।कार्यक्रम में जयपुर के ओडीओपी उत्पादों और एआई रोबोटिक्स चिकित्सा विज्ञान और ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी नवाचारों को प्रदर्शित किया गया।निवेशकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान की आर्थिक क्षमता को खोलने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, ‘‘हमारी सरकार सभी क्षेत्रों में राजस्थान की अपार संभावनाओं का दोहन करने के लिए पूरी तरह समर्पित है। इन अवसरों की पहचान करके हम राज्य को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जा रहे हैं।''उन्होंने राज्य की संसाधन प्रचुरता और चल रही पहलों पर प्रकाश डालते हुए कहा, ‘‘अपने पहले वर्ष में 'राइजिंग राजस्थान इनवेस्टर समिट' का आयोजन राज्य की वृद्धि और विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। राजस्थान में प्रचुर मात्रा में 82 प्रकार के खनिजों की उपलब्धता है जो राज्य की आर्थिक उन्नति की आधारशिला है।''

राइजिंग राजस्थान के तहत, रत्न और आभूषण, चिकित्सा, खेल, परिधान, वेयरहाउसिंग, ई-कचरा, केबल, रियल एस्टेट, तेल रिफाइनिंग और कपड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों के कई निवेशकों ने इकाई स्थापित करने या विस्तार करने में रुचि व्यक्त की है।संसदीय कार्य विभाग और न्याय विभाग के मंत्री जोगाराम पटेल ने भारत और विदेशों में उद्यमियों तक मुख्यमंत्री की पहुंच की सराहना करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री हमारे व्यापारी समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। हाल ही में जयपुर और जोधपुर में लगभग 30,000 करोड़ रुपये के समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे 56,000 नौकरियों के अवसर पैदा हुए। वर्तमान में हमने इस क्षेत्र और भी अधिक प्रगति देखी है।एक सफल आयोजन सुनिश्चित करने और महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित करने के लिए राजस्थान के जिला प्रशासन ने उद्यमियों, निवेशकों, प्रवासी राजस्थानियों और 34 औद्योगिक संगठनों के साथ कई बैठकें कीं। इन कार्यक्रमों ने एक अनुकूल निवेश माहौल को बढ़ावा दिया और क्षेत्र में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित किया।जेम्स एंड ज्वैलरी एसोसिएशन, एजीईएस, वुडन हैंडीक्राफ्ट एसोसिएशन, राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स, फोर्टी, क्रेडाई, लघु उद्योग भारती और सिडबी सहित कई प्रमुख औद्योगिक संगठनों ने इस आयोजन के लिए समर्थन दिया।कार्यक्रम में जयपुर जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने निवेशकों के साथ एमओयू हस्तांतरित किये।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में सुधांश पंत, मुख्य सचिव, मंजू शर्मा, लोकसभा सदस्य-जयपुर, डॉ. कैलाश चंद वर्मा, विधायक बगरू, डॉ. सोम्यागुर्जर,महापौरझ्र जयपुर नगर निगम (ग्रेटर), कुसुम यादव, महापौर - जयपुर नगर निगम (विरासत), रश्मि गुप्ता, संभागीय आयुक्त एवं महेंद्र मिश्रा, प्रदेश संयुक्त महासचिव, लघु उद्योग भारती आदि उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 एक नज़र में:

» ‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।इस त्रि–दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश–विदेश की बड़ी–छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग–धंधे लगाने में मदद करना और अन्य सुविधाएँ मुहैय्या कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल्स), इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो–केमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस (ESDM/IT and ITeS) सहित विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष सत्र का आयोजन होगा।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान भाजपा नेता को सुप्रीम कोर्ट का आदेश-सरेंडर करें,

- **2 सप्ताह का मिला समय; विधायक रहते हुए एईएन-जेईएन पर हमले का आरोप**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। सुप्रीम कोर्ट से पूर्व विधायक और भाजपा नेता गिर्राज सिंह मलिंगा को झटका लगा है। एईएन-जेईएन मारपीट मामले में उन्हें 2 सप्ताह में सरेंडर करना होगा। कोर्ट के आदेशानुसार सरेंडर करने के 4 सप्ताह बाद मामले में सुनवाई शुरू होगी। शुक्रवार को जस्टिस वी. रामासुब्रमण्यम और अरविंद कुमार की बेंच ने उनकी जमानत पर हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक को हटा लिया है।अदालत ने मलिंगा से कहा- वह 2 सप्ताह में सरेंडर करे। उनके सरेंडर करने के 4 सप्ताह बाद अदालत मामले की सुनवाई करेगी। दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट के 5 जुलाई के जमानत को रद्द करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने ही 22 जुलाई को रोक लगाई थी।क्या है पूरा मामला ? धौलपुर के बाड़ी डिस्कॉम ऑफिस में 28 मार्च 2022 को एईएन हर्षदापति और जेईएन नितिन गुलाटी के साथ मारपीट की घटना हुई थी। प्रकरण में एईएन हर्षदापति ने मलिंगा (तत्कालीन कांग्रेस विधायक) और अन्य के खिलाफ 29 मार्च को नामजद मारपीट, राजकार्य में बाधा और एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज कराया था। केस में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। घटना के बाद तत्कालीन धौलपुर एसपी शिवराज मीणा का भी तबादला कर दिया गया था। बिजली विभाग के इंजीनियर्स के साथ मारपीट होने के बाद निगम के कर्मचारियों में आक्रोश भड़क गया था। उसके बाद गिर्राज मलिंगा ने 11 मई को जयपुर के के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव के सामने सरेंडर किया था। 12 मई की दोपहर को उन्हें एससी-एसटी कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने मलिंगा को 15 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया था।हाईकोर्ट ने कहा था- जमानत का मिसयूज किया-धौलपुर के बाड़ी डिस्कॉम ऑफिस में एईएन और जेईएन को पीटने के मामले में आरोपी गिर्राज सिंह मलिंगा को 17 मई 2022 को हाईकोर्ट ने ही जमानत दी थी। 5 जुलाई को एईएन हर्षदापति की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने माना कि मलिंगा ने जमानत का मिस यूज किया। इसके चलते कोर्ट ने उनकी जमानत को निरस्त कर दिया था। हर्षदापति की ओर से कहा गया था कि मलिंगा ने कोर्ट से कोरोना का बहाना बनाकर जमानत का लाभ लिया था। जमानत मिलते ही उन्होंने जुलूस निकाला था। मामले में पीड़ित और गवाहों को धमकाया था।

अलवर जिले में थाना राजगढ़ पुलिस की कार्रवाई

लोहा कारोबारी के साथ लूटपाट के लिए बदमाशों को गाडी उपलब्ध कराने व रैकी कराने वाले 2 अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त गाड़ी बरामद

चमकता राजस्थान

जयपुर/अलवर!(खलील कुरैशी) 08 नवम्बर। अलवर जिले की राजगढ़ थाना पुलिस ने कस्बे के एक लोहा व्यापारी पर जानलेवा हमला कर लूटपाट करने वाले बदमाशों को वारदात के लिए वाहन उपलब्ध कराने वाले आरोपी सतीश कुमार मीना पुत्र बाबूलाल (28) निवासी रोनीजाथान थाना खेरली व रैकी कराने वाले आरोपी दिनेश चन्द उर्फ रिंकू मीना पुत्र रामकिशोर (28) निवासी बुचपुरी थाना राजगढ जिला अलवर को गिरफ्तार कर घटना मे प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है।एसपी संजीव नैन ने बताया कि 24 अक्टूबर को राजगढ कस्बे के लोहा कारोबारी हरिशंकर गुप्ता अपनी इनोवा कार से गांव मूनपुर स्थित गोदाम से कस्बा राजगढ आ रहे थे। अज्ञात बदमाशों ने कार से पीछा कर टायर मे गोली मारकर गाड़ी को आगे लगाकर लूटपाट की। जान से मारने की नीयत से गाड़ी पर फायरिंग की जिसमें चालक महेन्द्र मीना को गोली लगने से गंभीर घायल हो गया। व्यापारी की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान आरम्भ किया गया। घटना के खुलासे के लिये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका व सीओ मनीषा मीना के सुपरविजन एवं एसएचओ रामजीलाल के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा आसूचना तंत्र विकसित कर वैज्ञानिक व तकनीकी अनुसंधान में साक्ष्य संकलित कर घटना करने वाली गैंग को चिन्हित कर 27 अक्टूबर को सरगना थाना महवा के हिस्ट्रीशीटर भगवानसहाय उर्फ काडू को एवं 2 नवम्बर को अभियुक्त पंकज कुमार, महेन्द्र कुमार व ज्ञान चन्द को गिरफ़्तार कर लिया था।अनुसंधान के दौरान गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर थाना पुलिस की टीम ने लूटपाट की घटना के लिए बदमाशों को गाड़ी उपलब्ध कराने एवं रैकी कराने के दो आरोपियों दिनेश चन्द उर्फ रिंकू मीना व सतीश कुमार मीना को गुरुवार को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर गाड़ी ज़ब्त की है।

अवकाश के दिन भी हो सकेंगी रजिस्ट्री

- **अब शनिवार एवं रविवार को भी खुलेंगे उप पंजीयक कार्यालय**
- **बजट घोषणा की पालना में जयपुर शहर के पूर्णकालिक उप पंजीयक कार्यालय अवकाश के दिनों में शनिवार एवं रविवार को भी खोले जावेंगें**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)! 08 नवंबर,जयपुर। राज्य सरकार एवं महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग राज,अजमेर द्वारा दिये निर्देशों के क्रम में आम जनता की सुविधा एवं राजस्व आय प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए जयपुर शहर में स्थापित पूर्णकालिक उप पंजीयक कार्यालयों को माह नवंबर एवं माह दिसंबर 2024 में अवकाश के दिनों में शनिवार एवं रविवार को खोले जाने के आदेश जारी किए गए हैं। इससे अवकाश के दिनों में भी रजिस्ट्रीयों एवं पंजीयन मुद्रांक संबंधी समस्त कार्य सम्पादित हो सकेंगें।उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक जयपुर डॉ. गोरधन लाल शर्मा ने बताया कि इस हेतु जयपुर शहर में स्थापित पूर्णकालिक उप पंजीयक कार्यालय अवकाश के दिनों में खोले जाने का कार्यक्रम तैयार किया जाकर सभी उप पंजीयक को प्रेषित कर यह निर्देश प्रदान किये हैं कि उक्त अवकाशों के दिनों में दस्तावेजों के पंजीयन एवं अन्य समस्त राजकीय कार्य सम्पादित किये जावें। उल्लेखनीय है कि नौकरी पेशा लोग शनिवार एवं रविवार को अवकाश होने के कारण अपने निजी कार्यों को संपादित करवाने घर परिवार में आते है। ऐसे में अवकाश के दिन उप पंजीयक कार्यालय खुले होने पर उन्हें अतिरिक्त छुट्टी नहीं लेनी पड़ती । ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस के तहत 24 x 7 पंजीयन सुविधा के प्रयासों की श्रृंखला में आमजन को राहत देने के लिए यह पहल की गई है।

परिवादी अभियुक्त को ही चोरी की घटना में संलिप्तता में किया गिरफ्तार

मनोहरपुर थानाधिकारी राजेंद्र यादव के कुशल नेतृत्व में पुलिस ने अनुसंधान करके किया चोरी की घटना का पटाक्षेप

परिवादी द्वारा ही चोरी करके मनगढ़ंत कहानी रचकर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ चोरी का मुकदमा करवाया गया था दर्ज।

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। परिवादी द्वारा गैंम में रूपये हारने व कर्जा होने व लोन की किश्ते चुकाने के लिये स्वयं की माता व बड़े भाई के रूपये व जैवरात चोरी कर झूठा प्रकरण करवाया दर्ज।परिवादी राहुल से गहनता से पूछताछ की तो जुर्म कबूल करने के आधार पर किया गिरफ्तार।आनन्द शर्मा आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुये बताया कि दिनांक 19.10.2024 को परिवादी राहुल कुमार बेनिवाल पुत्र स्व. शंकरलाल बेनिवाल उम्र 26 साल निवासी अम्बेडकर नगर मनोहरपुर थाना मनोहरपुर जिला जयपुर ग्रामीण ने रिपोर्ट पेश की किदिनांक18.10.2024 को रात्रि को हमारे सो जाने के बाद लगभग 12 बजे तीन अज्ञात व्यक्ति आये और घर के अन्दर घुसकर बक्से में रखे 50 हजार रूपये नकद 1 सोने का मंगलसूत्र, 1 सोने की अंगूठी को लेकर मौके से फरार हो गये। आवाज सुनकर मैंने उठकर देखा तो दो व्यक्ति अन्दर चोरी कर रहे थे और एक व्यक्तिमोटरसाईकिल लेकर मकान के बाहर खडा था। तो मैंने उक्त दोनों व्यक्तियों को पकड़ने की कोशिश की तो उक्त लोगो ने मुझे धक्का देकर बाहर खडी मोटरसाईकिल पर बैठकर फरार हो गये। उक्त अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।प्रकरण में माल मुलजिम की तलाश हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) जिला जयपुर ग्रामीण रजनीश पूनियां आरपीएस व वृत्ताधिकारी वृत शाहपुरा मुकेश चौधरी आरपीएस के निकट सुपरविजन तथा थानाधिकारी थाना मनोहरपुर राजेन्द्र कुमार पु.नि. के नेतृत्व में टीम गठित कर अज्ञात माल मुलजिमान की तलाश शुरू की गई। तथा परिवादी राहुल बेनिवाल ने परिवाद दर्ज करवाने बाद सम्पर्क पोर्टल पर परिवाद दर्ज कर व थाने पर बार-बार आ कर प्रकरण में शीघ्र कार्यवाही हेतु उपस्थित हुआ। दौराने तलाश घटनास्थल के आस-पडौसियान से व मुकबीर खास से गुप्त रूप से मालुमात किया तो परिवादी राहुल बेनिवाल के ऊपर ही शक जाहिर हुआ। जिस पर परिवादी राहुल बेनिवाल को तलब कर शक्ति से व मनोविज्ञानिक तरिके से पूछताछ की तो स्वयं ने बताया कि मैं पिछले एक साल से मोबाईल से ऑनलाईन रायॅल रमी गेम खेलता आ रहा हू। इस गेम में मेरे को शुरूआत में लाभ हुआ व बाद में गेम हारता चला गया। गेम हारने पर मेरे ऊपर कर्जा हो गया। जिस कारण मैंने उक्त सामान की चोरी स्वयं ने ही की है। जिस पर परिवादी द्वारा जुर्म स्वीकार करने पर दिनांक 07.11. 2024 को राहुल बेनिवाल को गिरफ्तार किया गया।

- **गिरफ्तारशुदा अभियुक्त नाम एवं पता:-**

राहुल कुमार बेनिवाल पुत्र स्व. शंकरलाल बेनिवाल उम्र 26 साल निवासी अम्बेडकर नगर मनोहरपुर थाना मनोहरपुर जिला जयपुर ग्रामीण।

पुलिस टीम विवरण- राजेन्द्र कुमार पु.नि. थानाधिकारी जयप्रकाश स.उ.नि यादराम कानि. 207, मनोज कुमार कानि. 2225, दारासिंह कानि. 2380

विशेष भूमिका:- यादराम कानि. 207

उपमहानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई एवं मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी की जोड़ी कर रही हैं जमीनी स्तर पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन

जेडीए ने चौबीस बीघा भूमि पर तीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 08 नवम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-10 में ईकोलोजिकल जोन दादू नगर प्लॉट नं.-33 आवासीय भूखण्ड में जेडीए की बिना अनुमति व स्वीकृति के व्यावसायिक प्रयोजनार्थ बनी 02 अवैध दुकानों को पूर्णत ध्वस्त एवं ईकोलोजिकल जोन में निजी खातेदारी की करीब 10 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। साथ ही जोन-11 में निजी खातेदारी करीब 14 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त एवं जोन-07 में विद्युत नगर प्लॉट नं.-45 में सैटबैक बायलॉज का गम्भीर उल्लंघन कर जेडीए की बिना अनुमति व स्वीकृति के बने बेसमेन्ट$स्टील पार्किंग$ग्राउण्ड फ्लोर के अवैध निर्माण की नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही गई। उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-10 के क्षेत्राधिकार ईकोलोजिकल जोन में अवस्थित जगतपुरा फ्लाई ऑवर के पास, दादू नगर प्लाॅट नं.-33 आवासीय भूखण्ड में व्यावसायिक प्रयोजनार्थ 02 अवैध दुकानों का निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया गया।

जोन-10 के क्षेत्राधिकार ईकोलोजिकल जोन में अवस्थित नाई की थडी, कुण्डा रोड़ जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''वैलकम सिटी'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गांव केशववाला तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीएकीबिनास्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गांव पिपला भरतसिंह, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर के खसरा नं. 680, 685 व 686 करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि परजेडीएकीबिनास्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, लोहे के सरिया के पिल्लर, अवैध विला व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।जेडीए द्वारा जोन-07 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित विद्युत नगर प्लॉट नं.-45 में सैटबैक बायलॉज का गम्भीर उल्लंघन कर बेसमेन्ट$स्टील पार्किंग$ग्राउण्ड फ्लोर में अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर आज दिनांक 08.11.2024 को उक्त अवैध निर्माण के प्रवेश द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईंटों की दीवारों से चुनवाकर गेटों पर ताले सील चपडी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, द्वितीय,तृतीय प्रवर्तन अधिकारी जोन-10, 11, 07 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24×7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल अवैध निर्माण / कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

जोन-7 में सैटबैक बॉयलाज का गंभीर उल्लंघन करने पर अवैध निर्माण को किया सील

संक्षिप्त समाचार

बसेड़ी मार्ग से रोडवेज बसों को किया बंद, लोगों मे आक्रोश

चमकता राजस्थान/धौलपुर(रामदास तरुण)। बसेड़ी उपखण्ड मुख्यालय से लगभग 20 वर्षों से संचालित बसेड़ी धौलपुर मार्ग पर रोडवेज बसों का संचालन बंद कर दिया है। ज्ञात हो की बसेड़ी से सुबह 7.30 /10.30 /11.15 दोपहर 2 बजे तथा 2.30 बजे जाने वाली बसे बंद कर दी गयी है। जहाँ पहले से पूर्व मे बंद बसों को चलू करने तथा नवीन बसें चलाने की मांग की जा रही थी। उलटे रोडवेज प्रशासन ने अदूरदर्शिता दिखाते हुए वर्तमान में संचालित बसों को बंद कर दिया गया है। बसेड़ी उपखण्ड से धौलपुर जाने के लिए पूरे दिनभर में मात्र एक दो बसे रह गयी है। बस बंद होने से लोगों को काफी परेधानी होने लगी है। तथा लोगों में रोडवेज प्रशासन के खिलाफ काफी आक्रोश है। आज जब यात्री स्टैंड पर पहुँचे तो बस बंद होने की जानकारी होने पर ठगे से रह गये।

ट्रैलर व क्रेटा गाडी की भिडंत, सड़क हादसे में वृद्व की मौके पर मौत

- **सडक हादसे में गाडी में सवार पिता-पुत्र भी चोटिल, शादी कॉर्ड बांट कर लौटते समय सड़क हादसा**

चमकता राजस्थान। नदबई,(राजवीर सिंह)। आगरा जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हन्तरा के समीप देर रात ट्रैलर व क्रेटा गाडी की भिड़ंत से हादसा हो गया। जिसमें क्रेटा गाडी में सवार एक बृद्व की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, कार में सवार पिता-पुत्र चोटिल हो गए। डहरामोड पुलिस ने मौके पर पहुंच घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों को जब्त कर जिला चिकित्सालय में वृद्व के शव का पोस्टमार्टम कराया।

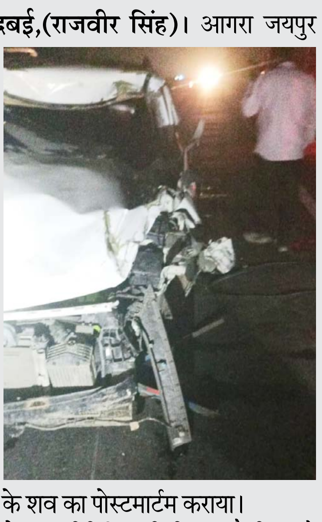

सूत्रों की मानें तो नदबई क्षेत्र के गांव पीरी निवासी टीकम फौजी अपने पुत्र बलराम सिंह व सेवर थाना क्षेत्र के गांव हिडोला निवासी अपने मित्र मंगतूराम सैनी पुत्र मूलाराम सैनी के साथ क्रेटा गाडी से अपने पोते के शादी कॉर्ड बांटकर भरतपुर से लौट रहा। इसी दौरान राजमार्ग पर हंतरा के समीप अचानक असंतुलित होकर क्रेटा गाडी आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। जिसके चलते हिडोला निवासी मंगतूराम सैनी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, गाडी में सवार पिता-पुत्र चोटिल हो गए। पुलिस ने शव का जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम कराया। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ।

अतिक्रमण के खिलाफ तीन जगह कार्रवाई, जेसीबी से हटाया अतिक्रमण

चमकता राजस्थान

नदबई,(राजवीर सिंह)। नदबई ग्रामीण क्षेत्र में आम रास्ता व सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के मामलें में शुक्रवार को नदबई नायब तहसीलदार जगवीर सिंह के नेतृत्व में विभागीय टीम ने झौरोल-गाजीपुर सड़क मार्ग व लखनपुर नायब तहसीलदार दीपा यादव के नेतृत्व में गठित टीम ने पींगोरा आम रास्ता सहित अस्तल में सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को जेसीबी की सहायता से हटवाया। इससे पहले विभागीय टीम ने मौके पर पैमाइश करते हुए ग्रामीणों से अतिक्रमण हटाने को कहा। बाद में प्रशासन ने पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया। झौरोल-गाजीपुर सड़क पर करीब दो दर्जन से अधिक लोगों ने अतिक्रमण कर लिया। बाद में नदबई नायब तहसीलदार व विभागीय टीम ने मौके पर पैमाइश कर जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण हटाया। कार्रवाई दौरान पीडब्ल्यूडी कनिष्ठ अभियंता अनिल नागर, गिरदावर श्रीकृष्ण जांगिड़, पटवारी धर्मेन्द्र मीणा, गजब सिंह, अनोज कुमार व खैमसिंह मौजूद रहे। जबकि, लखनपुर क्षेत्र के गांव पींगोरा में आम रास्ता व अस्तल में सरकारी जमीन के मामलें में नायब तहसीलदार दीपा यादव ने विभागीय टीम गठित कर जमीन की पैमाइश कराते हुए पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण हटाया। कार्रवाई दौरान कानूनगो उमेश वैष्णव व मुनेन्द्र सिंह, पटवारी मनोज अंबेश, बर्षा नागर, करुणा तिवारी, मनीषा मीना, लालसिंह सहित थाना प्रभारी जीतेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

श्रीनगर में दो दिवसीय किसान प्रशिक्षण शिविर आयोजित

चमकता राजस्थान रघुनंदन पारीक

अजमेर/ नसीराबाद सहायक कृषि निदेशक अजमेर सौरभ गर्ग ने किसानों को जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया। गर्ग ने कहा कि किसान परंपरागत कृषि के तरीके जैसे खेती में गोबर की खाद ,गोमूत्र ,नीम खली, वर्मी कंपोस्ट का उपयोग करके कृषि उत्पादन बढ़ा सकते हैं । आज भी परंपरागत कृषि का उपयोग कर किसान अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकता है । रासायनिक खाद के अधिक उपयोग से जमीन की उर्वरा शक्ति कमजोर होती है।पंचायत समिति श्रीनगर में कृषि विभाग की ओर से परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था ।

सहायक कृषि अधिकारी श्रीनगर अभय राज दुलारा ने किसानो को पीकेवीवाई योजना की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। दुलारा ने तारबंदी, खेत तलाई सिंचाई पाईप लाईन, कृषि यंत्र फव्वारा संयत्र पर मिलने वाले अनुदान का फायदा उठाने की बात कही। सहायक कृषि अधिकारी नसीराबाद मुकेश कुमार वर्मा ने किसानो को खेतो में जैविक उर्वरको राईजोबियम, पीएसबी, ऐजेटोवक्टर और वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट आदि के उपयोग करने पर जोर दिया। कृषि अधिकारी मुकेश कुमार माली ने किसानों को जैविक खेती की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के सेकड़ो किसान तथा सहायक कृषि अधिकारी राजाराम मीणा, कृषि पर्यवेक्षक श्री ज्ञानचन्द जैन, लक्ष्मीनारायण तंवर, माया यादव, सुनिल कुमार मेघवंशी, रेखराज, राजकुमार मीणा, मुकेश कुमार चौधरी आदि उपस्थित रहें।

किशनगढ़ चित्तौड़गढ़ खेड़ा चौराहे श्रीनगर पर फ्लाईओवर निर्माण में देरी से कस्बे वासियों को करना पड़ रहा परेशानी का सामना

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक /श्रीनगर :-अजमेर/ नसीराबाद /पुलिया निर्माण नहीं होने से आए दिन खैड़ा चौराहे पर दुर्घटनाएं घटित हो रही है। वहीं खेड़ा चौराहा राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबे समय तक लगने वाले जाम से वाहन चालकों सहित कस्बे वासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया का मामला अधर में लटका होने के कारण आसपास निवास करने वाले मकान मालिको को तथा दुकानदारों को भी भविष्य की चिंता सता रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आला अधिकारी इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं। वहीं केंद्र एवं राज्य सरकार के जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से भी इस और आंखें मूंद लेना चिंता का विषय है। जानकारी के अनुसार कस्बे वासी 11 स्पाइन का ओवर ब्रिज तथा तीन 25 25 मीटर लंबे अंडरपास फारकिया रोड,अजमेर रोड, एवं कानपुरा रोड के लिए बनाने की मांग कर रहे हैं। 2 साल पूर्व कस्बे वासियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से शुरू किए गए पुलिया निर्माण के कार्य को रुकवा दिया था। उनकी मांग थी कि सिंगल स्पाइन पुलिया के स्थान पर 11 स्पाइन का बांदनवाड़ा पैटर्न पर ओवर ब्रिज बनाया जाए।उसके बाद से आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। 2 साल पहले राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण खेड़ा चौराहे पर 25 मीटर की एक पुलिया तथा दोनों साइड छह छह मीटर की सर्विस रोड जिसे सिंगल स्पाइन पुलिया कहते हैं का निर्माण कार्य शुरू किया था। कस्बे वासी इससे सहमत नहीं थे । इसलिए कस्बे वासियों ने पुलिया के निर्माण कार्य का विरोध करते हुए कार्य रुकवा दिया। कस्बे वासियों का कहना है कि बांदनवाड़ा पैटर्न पर 11 स्पान का ओवर ब्रिज बनाने से यहां राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों और बसे श्रीनगर के वाशिंदों को एक दूसरे की ओर आने जाने में आसानी रहेगी। जहां एक और पंचायत समिति, ग्राम पंचायत मुख्यालय, पुलिस थाना ,संस्कृत विद्यालय स्थित है। कस्बे की आधी आबादी इस और रहती है। वहीं फारकिया ,कानपुरा रोड की ओर बसे गांव के वाहन चालक भी राजमार्ग को पार कर जाते हैं। ज्यादातर कृषि भूमि इस और स्थित है गांव का पशुधन भी राजमार्ग पर कर इस ओर आता है।वहीं दूसरी और कस्बे की आधी आबादी जिसमें खेड़ा चौराहे का बस स्टैंड तक मार्केट,सदर बाजार, पुराना बस स्टैंड, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुराना अस्पताल पटवार भवन ,एसबीआई बैंक आयुर्वेद अस्पताल आदि स्थित है।11 स्पान का ओवर ब्रिज बनने से छोटे दुकानदारों तथा रेहडी , हाथ थैला लगाकर गुजर बसर करने वाले गरीब व्यक्तियों को रोजगार के लिए स्थान मिल जाएगा ।तथा उनकी सुरक्षा भी होगी। कस्बे वासियों का कहना है कि श्रीनगर क्षेत्र में राजस्थान के सर्वाधिक ट्रेलर मौजूद है ट्रांसपोर्ट व्यवसाय का श्रीनगर क्षेत्र हब है। खेड़ा चौराहे से आसपास के गांवो केअधिकतर ट्रेलर गुजरते हैं। यहां से अजमेर मालपुरा स्टेट हाईवे भी गुजरता है। कस्बे वासियों की मांग है कि 11 स्पाइन का ओवर ब्रिज बनाने के लिए आवश्यकता हो तो जमीन अवाप्त करें। पूर्व में जिला कलेक्टर की मौजूदगी में आयोजित बैठक में सांसद तथा विधायक की मौजूदगी में नसीराबाद एसडीएम को रिसर्वे कर जांच रिपोर्ट मांगी गई थी। तब बताया जाता है की पांच स्पाइन का ओवर ब्रिज बनाने की अनुशंसा की गई। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की जांच रिपोर्ट को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने तवज्जो नहीं दी। इनका कहना है। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी से मिलकर खेड़ा चौराहे पर पुलिया निर्माण की मांग की गई चौधरी ने शीघ्र ही केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को साथ लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग कैबिनेट मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली जाकर मिलने की बात कही है। रामकरण यादव ।पूर्व सरपंच। भाजपा किसान मोर्चाजिला देहात उपाध्यक्ष श्रीनगर। इनका कहना है 2 ,.....राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 खेड़ा चौराहे पर पुलिया निर्माण का मामला लंबे समय से आधार में लटके होने से कस्बे वासियों को आए दिन दुर्घटना तथा जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार के आला अधिकारी तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी इस ओर ध्यान दें ध्यान दें ।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष ओंकार गुर्जर का कहना है आंख मुन्दकर बैठी है ,जनता की रक्षा हेतु कुछ भी कड़े कदम नहीं उठा रही है पुलिया को मुद्दे को नजर अंदाज कर रही है सरकार जबकि अजमेर के सांसद केंद्रीय मंत्री होने के बावजूद भी कार्य नहीं हो पा रहा है।

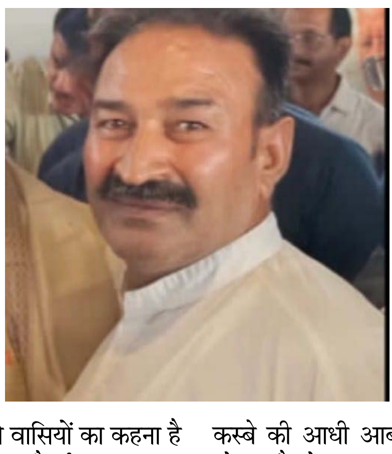

संक्षिप्त समाचार

अरविंद केजरीवाल ने अपने कार्यकर्ताओं से की छुट्टी लेकर चुनाव में जुट जाने की अपील

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव पास आने के साथ ही नेताओं का अपने वादे और दावों के साथ जनता के बीच पहुंचना शुरू हो गया है। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी भी अपनी तैयारी में जुटी हुई है। एक के बाद एक नए कार्यक्रम के जरिए और जनता के लिए किए गए कामों को गिनवाकर आम आदमी पार्टी के नेता जनता का विश्वास एक बार फिर जीतने की कोशिश में जुटे हैं।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने कार्यकर्ताओं के नाम एक संदेश जारी करते हुए उनसे अपील की है कि चुनाव बिल्कुल नजदीक आ गया है और वह अब फुल टाइम इस काम में लग जाएं, इसके लिए उन्हें अपने काम से एक-दो महीने की छुट्टी ही क्यों न लेनी पड़े।

अरविंद केजरीवाल ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा है कि वह जब से जेल से बाहर आए हैं ,तब से लगातार सबसे मिलने की कोशिश कर रहे हैं। कई कार्यकर्ता ऐसे हैं, जिनसे वह नहीं मिल पाए हैं और जब वह जनता के बीच जाते हैं, तो अपने कार्यकर्ताओं के नम आंखों को देखकर उन्हें आम आदमी पार्टी के एक परिवार होने का एहसास होता है।

केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वह अगर दिल्ली से बाहर हैं, तो यहां आ जाएं और अपने किसी रिश्तेदार या मित्र के घर एक दो महीने के लिए रुक जाएं और अगर वह दिल्ली में हैं, तो अपने कामकाज से कुछ दिनों के लिए छुट्टी ले लें और अगर छुट्टी नहीं ले सकते, तो प्रतिदिन कुछ घंटे पार्टी के लिए निकालें और अगर ऐसा भी नहीं हो सकता, तो हफ्ते में कुछ घंटे पार्टी के लिए निकाल कर चुनाव प्रचार का काम शुरू कर दें।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कार्यकर्ता समय निकालकर पार्टी के काम में लगें। उन्हें पार्टी की तरफ से काम बताए जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अगर उन्हें किसी बात पर गुस्सा आए, तो वह श्री राम का नाम लें, उनका गुस्सा ठंडा हो जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि दूसरे धर्मों के लोग अपने-अपने भगवान का नाम ले सकते हैं, इससे शांति मिलेगी। केजरीवाल ने कहा है कि आम आदमी पार्टी देश की अकेली उम्मीद है, इसके लिए तन मन धन से जुट जाओ।

आप नेता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब मैं जेल में था, तो मैंने बाबा साहब के जीवन पर काफी अध्ययन किया। आज उनके लिए मेरे दिल में जो भाव है, उन्हें व्यक्त करना चाहता हूं। रुतबा जो मेरे सर को तेरे संविधान से मिला है, यह सम्मान भी मुझे तेरे संविधान से मिला है, औरों को जो मिला है वह मुकद्दर से मिला है, मुझे तो मुकद्दर भी तेरे संविधान से मिला है। न जिंदगी की खुशी ना मौत का गम, जब तक है दम जय भीम कहेंगे हम। अपनी इन लाइनों के साथ अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर अपने कार्यकर्ताओं पर भरोसा जताने की बात की है और कहा है कि हम जीतेंगे।

जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई : सीएम योगी

मुजफ्फरनगर/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मोरना में विधानसभा उपचुनाव में मीरापुर सीट के अपने पक्ष के उम्मीदवार के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई। यह सपा का नया ब्रांड है। यह बेटी-बहन की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले लोग हैं।

उन्होंने कहा 2012 से 2107 के बीच में एक नारा चलता था। एक बार मैं मुजफ्फरनगर आया था, तब एक नौजवान भीड़ से कह रहा था कि जिस गाड़ी पर सपा का झंडा, समझो बैठा है कोई गुंडा। आज मैं कह सकता हूं, जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई। इनके कारनामे अयोध्या और कन्नौज में देखने को मिले हैं। इनको लोकलाज नहीं है। बेटियों और बहन की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले लोग हैं। इनके वास्तविक संस्कार देखने हैं तो सपा के सोशल मीडिया के हैंडल देखें, कितने घटिया स्तर की बातें करते हैं। यह सपा के चरित्र को दिखाता है। डबल इंजन की सरकार बेटी और बहन के साथ खिलवाड़ नहीं करने देगी।

उन्होंने कहा कि पुलिस भर्ती के परिणाम आने वाले हैं। पहले जो उपेक्षित रहते थे। अब कोई दिक्कत नहीं है। बागपत, शामली, बुलंदशहर के लोगों को बड़े आराम से नौकरी मिल रही है। यहां के व्यापारियों की भी सुरक्षा का ख्याल रखा जा रहा है। बेटी-बहन का सम्मान करने वाले लोग चाहिए, भाजपा और रालोद आपको यह गारंटी देने आई है कि यह काम केवल हम करेंगे। हमारे आदर्श चौधरी चरण सिंह जी हैं, हमारे आदर्श धर्म सिंह कोतवाल जैसे महान क्रांतिकारी हैं, हमारे आदर्श भारत माता का वह लाल है, जो खुद को बलिदान कर रहा है। हम एक ही बात कहते हैं कि हर काम देश के नाम होना चाहिए, पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकास की योजना चलाई, विकास सबका, सम्मान सबका, लेकिन तुष्टिकरण किसी का नहीं।

उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस में तलाक सा हो गया है। दोनों दलों के बीच खटपट हो गई है। लोकसभा चुनाव में लोगों को बरगलाया, जनता को गुमराह किया। गलत मार्ग पर ले जाने का प्रयास किया। अवसर है अब इस सपा का सफाचट करने का। सपा के यहां उम्मीदवार मुजफ्फरनगर दंगे के सरगना हैं। हथियारों का जखीरा मिला था। सपा के मुखिया उन दंगाइयों को सरकारी आवास पर सम्मानित करते थे। सपा की सरकार में पलायन का दंश देखा। व्यापारी उत्तर प्रदेश छोडने के लिए मजबूर था। आज बहन-बेटियों के सम्मान से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता है। अब यूपी में दंगा नहीं हो रहा है, ना पलायन हो रहा है। जल्दी मुजफ्फरनगर को रैपिड ट्रेन का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 60 हजार पुलिस भर्ती का परिणाम आने वाला है, यहां का युवा खेलता है, जो पहले मेडल लाते थे, अब इन जिलों के युवा बड़ी संख्या में भर्ती होते हैं। खिलाड़ियों के लिए नई पॉलिसी बनाई गई है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया संबोधन

जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का हुआ आयोजन

राजस्थान की पहचान हो उद्यम लगाने के लिए अनुकूल राज्य के रूप में: दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

अजमेर, 8 नवम्बर। जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन शुक्रवार को हुआ। इसमें उप मुख्यमंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री दिया कुमारी ने उद्यमियों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम में 14 हजार 26 करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

उप मुख्यमंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य स्तरीय राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट 2024 के अन्तर्गत जिला स्तरीय इन्वेर्स्टस मीट अजमेर का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार पहले वर्ष में ही उद्यम स्थापना पर जोर दे रही है। बड़ी संख्या में एमओयू किए जा रहे हैं। इस निवेश से राज्य में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान में किए गए एमओयू कुछ ही समय में धरातल पर दिखने लगेंगे। इसके वास्तविक परिणाम अगले चार वर्षों में सबके सामने होंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार ने राजस्थान के भविष्य को संवारने के बारे में सोचा है। यहां के निवासियों को अच्छे स्तर पर रोजगार मिलेगा। वर्तमान में सरकार द्वारा किए गए एमओयू धरातल पर उतरेंगे। इसके लिए समस्त अधिकारी मिलकर कार्य करें। भूमि, नीतिगत निर्णयों, विभिन्न अनापत्तियों सहित समस्त कार्य तत्काल किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर अजमेर, राजस्थान एवं भारत को विकसित बनाना है। सबके सम्मिलित प्रयासों से प्रत्येक निवेशक केवल राजस्थान में ही निवेश करने के लिए सोचेगा। भविष्य में अजमेर की पहचान उद्यम स्थापित करने के लिए सबसे उपयुक्त जिले के रूप में होगी। सरकार उद्यमियों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए राजस्थान उद्यम प्रोत्साहन योजना 2024 की घोषणा की गई है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान अपार संभावनाओं का प्रदेश है। यहां सोलर, पवन, खनिज सहित बड़ी मात्रा में प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध है। राजस्थान में पर्यटन भी बहुआयामी है। इन संभावनाओं को धरातल पर मूर्त रूप देने का कार्य उद्यमी कर सकते हैं। राजस्थान में किसी भी वस्तु की कमी नहीं है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) एवं यमुना नदी का जल उपलब्ध होने से राजस्थान में पानी भी पर्याप्त होगा।

जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि अजमेर में अन्य जिलों से अधिक संभावनाएं हैं। सरकार इन संभावनाओं को वास्तविकता में लाने के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में अभी जिला स्तरीय इनवेस्टर्स मीट का आयोजन किया जा रहा है। इसके पश्चात राज्य स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट आयोजित होगी। इससे निवेशकों द्वारा उद्यम स्थापित किए जाएंगे। क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिलने से आर्थिक समृद्धि आएगी। अजमेर जिले में सर्वाधिक निवेश आकर्षित करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रौन्नति प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह लखावत ने कहा कि उद्यमी अजमेर की रीड की हड्डी है। इनके बूते ही अजमेर आर्थिक रूप से मजबूत है। अजमेर में कर्मशीलता के साथ-साथ ऊर्जा भी है। यहां आर्थिक, धार्मिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से विकास की अपार संभावनाएं है। जिले के औद्योगिक विकास के लिए राज्य तथा केन्द्र सरकार तत्पर है।

पूर्व मंत्री एवं अजमेर दक्षिण विधायक श्रीमती अनिता भदेल ने कहा कि सरकार की मंशा राजस्थान एवं उद्यमियों को आगे बढ़ाने की है। इसीलिए सरकार ने पहले साल में ही निवेश के लिए प्रोत्साहित किया है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए रिप्स 2024 की घोषणा की गई है। उद्यम स्थापना से रोजगार की वृद्धि होती है। इससे व्यक्तियों का जीवन स्तर उच्च होगा। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष श्री कुणाल जैन ने कहा कि राइजिंग राजस्थान से उद्यमिता के दुर्लभ गुण को पहचान मिली है। जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु ने कहा कि इस जिला स्तरीय इन्वेर्स्टस मीट अजमेर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न औद्योगिक संघों, वृहद एवं मध्यम इकाईयों के सहयोग तथा समन्वय से विभिन्न क्षेत्रों यथा मार्बल व ग्रेनाईट, टैक्सटाइल, चिकित्सा, शिक्षा, होटल व रिसोर्ट, खनन, सौलर, एग्रो व फूड प्रोसेसिंग क्षेत्रों में विभिन्न विभागों द्वारा लगभग 14 हजार 26 करोड़ के 301 एमओयू सम्पादित किए गए है। इनके द्वारा प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 15 हजार 360 व्यक्तियों के लिए रोजगार का सृजन होगा। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र द्वारा 3 हजार 739 करोड़ के 210, रीको द्वारा 48 करोड़ के 8, अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा 10 हजार 144 करोड़ के 56, पर्यटन विभाग द्वारा 47 करोड़ के 5, खान एवं भू-विज्ञान द्वारा 14 करोड़ के 16 तथा कृषि विपणन बोर्ड द्वारा 31 करोड़ के 6 एमओयू किए गए हैं।

इस जिला स्तरीय मीट में विभिन्न उत्पादों व सेवाओं यथा मार्बल एण्ड ग्रेनाईट हैण्डीक्राफ्ट, फूड प्रोडक्ट्स, हैण्डलूम, एम्ब्रोयडरी व हैण्डीक्राफ्ट, मशीनरी टूल्स आदि से संबंधित उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। इसका उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में जिले में निवेश के औद्योगिक परिदृश्य एवं संभावनाएं विषय पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में श्री भगवती मशीन, धरतीधन स्टोनेक्स, केशव इंडस्ट्रीज, वेमोरा टाइल्स, एसआर रिजोर्टस, श्रीराम सुपरस्पेशलिटी सर्जिकल, भुवन रिजोर्टस, होटल हिल्स व्यू, भंडारी मार्बल वर्ल्ड, अराम्स टेक्सटाइल, वर्धमान होटल्स, मास्टर रिजोर्टस, एमवाइट इंटरनेशनल, मिलमेन मैटल्स एवं अतुल रिजोर्टस के साथ एमओयू किए गए।

इस अवसर पर संभागीय आयुक्त श्री महेश चन्द्र शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक श्री ओमप्रकाश, अजमेर विकास प्राधिकरण की आयुक्त श्रीमती नित्या के., नगर निगम के आयुक्त श्री देशलदान, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा, रीको के वरिष्ठ क्षेत्राीय प्रबंधक श्री अंजय विश्वकर्मा, अध्यक्ष श्री रमेश सोनी, किशनगढ़ मार्बल एशोसिएशन के अध्यक्ष श्री सुधीर जैन सहित जिले के उद्यमी उपस्थित थे।

कोटा जिले में मानव तस्करी विरोधी यूनिट की कार्रवाई

5 माह से गुमशुदा 5 हजार की ईनामी नाबालिग बालिका को बारां से किया रेस्क्यु

चमकता राजस्थान

● तकनीकी पुलिसिंग एवं मुखबिरों की मदद से नाबालिग तक पहुंची टीम, मर्जी से बारां में रहना बताया

जयपुर/कोटा!,(खलील कुरैशी)08 नवम्बर। कोटा शहर के उद्योगनगर थाना इलाके के प्रेमनगर द्वितीय से 5 महीने पहले गुम हुई एक नाबालिग अनाथ लड़की को जिले की मानव तस्करी विरोधी यूनिट द्वारा बारां जिले से रेस्क्यू कर लिया है। नाबालिग की दस्तयाबी पर जिला पुलिस द्वारा 5000 का इनाम भी घोषित किया हुआ है। अनुसंधान के बाद टीम ने नाबालिग को नारी शाला में दाखिल करवा दिया है।सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 17 जून को डाबी निवासी परिवादी ने थाना उद्योगनगर पर रिपोर्ट दी थी कि उसकी नाबालिग चचेरी बहन प्रेमनगर द्वितीय स्थित किराए के मकान में रहती थी। दिनांक 10 जून को कही चली गई। उसके माता पिता व अन्य कोई नही होने के कारण संरक्षक हम ही है। इस पर प्रकरण दर्ज कर नाबालिग की तलाश प्रारम्भ की गई।बालिका की तलाश के लिये पुलिस ने आस पास के सीसीटीवी फुटेज चैक किये। कॉल डिटेल, सोशल मीडिया रिकॉर्ड एवं तकनीकी साक्ष्यो का विश्लेषण किया। संदिग्धों से पूछताछ की गई। लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद पुलिस को बालिका की कोई जानकारी नहीं मिली। मामले की गम्भीरता को देखते हुए नाबालिग बालिका की दस्तयाबी के लिए 5 हजार रूपये नगद ईनाम की घोषणा कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध एवं अनुसंधान सैल के निर्देशन एवं मानव तस्करी विरोधी यूनिट की प्रभारी शिमला गुर्जर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

विशेष टीम द्वारा नाबालिग की तलाश के लिये फिर से सीसीटीवी एवं अन्य तकनीकी साक्ष्य खंगाल संदिग्धों से पूछताछ की गई। मुखबिरों, सोशल मीडिया एवं मीडिया में नाबालिग की फोटो एवं इनाम की जानकारी भेजी गई। प्रत्येक सूचना की टीम तस्दीक कर रही थी। इसी दौरान बालिका के अक्टूबर महीने में बारां जिले के मार्केट में देखे जाने की जानकारी टीम को मिली। बारां जिले के अभय कमाण्ड सेन्टर एवं मार्केट की दुकानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज चैक किये गये तो बालिका के बारां में होने की सूचना पुख्ता हो गईमुखबिरों से जानकारी की तो बालिका के हुलिये की लड़की फोरलाईन एवं भूल भुलैया चौराहे के पास कुन्ज विहार कोलोनी में काफी दिनों से देखे जाने की पुख्ता सूचना मिली। विशेष टीम ने मौके पर पहुंच तलाश किया तो उक्त नाबालिग एक रहवाशी मकान के बाहर मिली। बालिका द्वारा अभी बालिग होने का हवाला देते हुए अपनी मर्जी से यही रहना बताया। लेकिन नाबालिग की गुमशुदगी दर्ज होने की वजह से टीम बालिका को दस्तयाब कर कोटा लेकर आई। अनुसंधान के लिए थानाधिकारी थाना उद्योगनगर को सुपुर्द किया गया। जिसे अनुसंधान के बाद नारी शाला भिजवाया गया।

स्टेट रिव्यू मिशन, 34 टीमों ने 100 से ज्यादा चिकित्सा संस्थानों का किया निरीक्षण

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 8 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री के निर्देशन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कदम उठाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए चलाए जा रहे स्टेट रिव्यू मिशन के तहत शुक्रवार को जयपुर जिले के चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण किया गया। राज्य स्तर से गठित 34 टीमों ने जयपुर जिले के 100 से अधिक चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण किया।चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्रदेशभर में मिशन मोड में स्वास्थ्य सेवाओं का उन्नयन किया जा रहा है, ताकि लोगों को चिकित्सा संस्थानों पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता से मिले। इसी कड़ी में शुक्रवार को मुख्यालय से 34 चिकित्सकों एवं अन्य कार्मिकों की टीमें गठित कर जयपुर जिले के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण करने के लिए भेजा गया। राठौड़ ने बताया कि इन टीमों ने सांभरलेक, जोबनेर, चाकसू, माधोराजपुरा, बस्सी एवं सांगानेर ब्लॉक के 104 चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। इसमें जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, जनता क्लिनिक सहित अन्य संस्थान शामिल हैं। टीमों ने इन संस्थानों में कार्मिकों की उपस्थिति, भवन एवं साफ–साफ की स्थिति, ओपीडी एवं आईपीडी में रोगियों की संख्या, दवाओं की उपलब्धता, जांचों की संख्या, अक्रियाशील उपकरण, इंस्टॉल नहीं हुई जांच मशीनों, आरएमआरएस में उपलब्ध फण्ड, अनुपयोगी वस्तुओं की नीलामी, संस्थागत प्रसव, नसबंदी, टीकाकरण सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की स्थिति एवं प्रगति के बारे में बिंदुवार निरीक्षण किया। टीमों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, जिन चिकित्सा संस्थानों में खामियां पाई गई हैं, वहां संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

लड़के- लड़कियों की फर्जी आईडी बनाकर 25 लाख ठगने वाले पति-पत्नी गिरफ्तार

यमुना नगर/एजेंसी।

कॉल सेंटर में काम करने वाली एक महिला ने फर्जी आईडी के तौर पर एक युवक से 25 लख रुपए की ठगी कर ली। हालांकि यह सिलसिला अभी और चलता। लेकिन, शक होते ही महिला की पोल खुल गई और साइबर पुलिस ने उसे और उसके पति को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पति-पत्नी लड़कियों के नाम से फर्जी आईडी बनाकर कई लोगों को चपत लगा चुके थे। फिलहाल पुलिस ने इनको कोर्ट से 3 दिन के डिमांड पर लिया है जिसमें और भी खुलासे हो सकते हैं। यमुनानगर की साइबर पुलिस की ग्रुप में आए पति-पत्नी दोनों ही फर्जी आईडी बनाकर कई लोगों को अपनी ठगी का शिकार बन चुके हैं और ऐसे में इन लोगों के निशाने पर रहा बिहार का एक युवक। बता दें कि पति-पत्नी ने विगो एप पर तरह-तरह की अपनी आइडिया बना रखी थी जिसमें एक आईडी शिवानी के नाम पर और उसकी प्रोफाइल गूगल में कार्यरत निवासी यूएसए केलिफोर्निया था जबकि दूसरी आईडी रेड क्वीन के नाम से थी तीसरी आईडी जिया के नाम पर। इन ऑडियो को दोनों ही पति-पत्नी चला रहे थे।

बता दें कि पत्नी परमिंदर कौर दिल्ली के एक कॉल सेंटर पर पहले काम करती थी और गुरप्रीत से शादी होने के बाद वह यमुनानगर में आ गई यह आने पर दोनों पति-पत्नी सोशल मीडिया के द्वारा लोगों को ठगने का काम कर रहे थे। शिवानी की आईडी से बिहार निवासी एक

युवक को इन लोगों ने अपना शिकार बनाया और पीड़ित से 25 लख रुपए की ठगी कर ली। डीपी पर किसी दूसरी लड×की की फोटो लगाकर पीड़ित को अपनी तरफ अट्रेक्ट किया और बाद में उसे पैसे की ठगी शुरू कर दी। शिवानी की आईडी से पीड़ित की बात होने लगी जिस पर शिवानी ने भारत में भी अपना अच्छा प्रोफाइल बताया इसके बाद दोनों की बात आगे बड़ी और बाद में शिवानी ने बीमारी का बहाना लगाकर पीड़ित से पैसे अपने शुरू कर दिए पीड़ित भी परमिंदर कौर की बातों में आकर पैसे देने लग गया क्योंकि ना तो कोई शिवानी थी और ना ही जिया और ना ही कोई रेड क्वीन। इन सबको अगर कोई चला रहा था तो वह थी परमिंदर कौर और उसका पति गुरप्रीत सिंह।

25 लाख रुपए की ठगी करने के बाद परमेंद्र कौर ने पीड़ित को मैसेज भेजो कि शिवानी की बीमारी के चलते मौत हो गई है और शिवानी ने एक वसीयत पीड़ित और जिया के नाम लिखी है और इस वसीयत को पाने के लिए पैसे खर्च करने होंगे। इस पर पीड़ित को शक हुआ और उसने इस मामले की सूचना यमुनानगर के एसपी को दी जिसके बाद मामला साइबर पुलिस के पास पहुंचा और दोनों पति-पत्नी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

साइबर पुलिस ने पति-पत्नी को गिरफ्तार करने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया यह पुलिस ने आरोपियों का कोर्ट से 3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है। साइबर पुलिस का मानना है कि इनसे पूछताछ के दौरान और भी कई खुलासे हो सकते हैं। क्योंकि इन लोगों ने अलग-अलग आईडी से कई लोगों को अपना शिकार बनाया है जिनका पूछताछ के बाद ही खुलासा होगा हालांकि पुलिस इन लोगों ने जो 25 लख रुपए की ठगी की थी उसे रुपए को भी बरामद करने की बात कह रही है यहां तक की पुलिस का कहना है कि अगर उन पैसों से इन लोगों ने कोई प्रॉपर्टी खरीदी होगी तो उसको भी अटैच किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

दलित नाबालिग ने गांव के युवक पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप, केस दर्ज

राजगढ़। बोड़ा थाना क्षेत्र में रहने वाली 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी ने गांव के युवक पर अश्लील इशारे व फोन पर परेशान करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शुक्रवार को मौके से फरार आरोपित के खिलाफ पॉक्सो, एससीएसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की। पुलिस के अनुसार बोड़ा निवासी 16 वर्षीय दलित किशोरी ने बताया कि गांव का सद्दाम पुत्र गुलाम हुसैन जो कि ट्रक चालक है, वह उसे पिछले कई दिनों से अश्लील इशारे व फोन पर परेशान कर रहा है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विशेष सचिव बृजभूषण दुबे की गोरखपुर से लखनऊ आते समय अयोध्या में सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी। बृजभूषण दुबे अपने प्राइवेट वाहन से गोरखपुर से निकले थे और एक ट्रक को ओवरटेक करते उनका वाहन ट्रक से टकरा गया। विशेष सचिव बृजभूषण दुबे मूलरूप से बस्ती जिले में पैकोलिया थाना क्षेत्र में सरयां तिवारी गांव के निवासी रहे। बृजभूषण दुबे का अंतिम संस्कार अयोध्या में होना तय हुआ। दुखद घटना के संबंध में लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश विधानसभा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जानकारी हुई तो उन्होंने शोक व्यक्त किया।

पाटन उप जेल से दो कैदी फरार

जबलपुर। जबलपुर मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर पाटन उप जेल से शुक्रवार की सुबह दो कैदी फरार हो गए। जानकारी लगते ही जेल विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों ने दोनों कैदियों को आधा किलोमीटर तक पीछा कर पकड़ लिया। भागने के दौरान दोनों कैदियों को चोट लगी है। वहीं पीछा करने के दौरान जेलर के पैर में भी चोट आई है। फिलहाल दोनों कैदियों का जेल में इलाज करवाया जा रहा है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर भी पाटन उप जेल पहुंचे हैं।

खेत में पाइप फैलाने के विवाद में चली गोली

जौनपुर। खुटहन के नुरुद्दीनपुर गांव में गुरुवार की रात खेत मे पाइप फैलाने के विवाद में चली गोली से एक युवक घायल हो गया। गोली युवक के जांघ में लगी है। गोली चलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लेकर घटना के सम्बन्ध में पूछताछ कर रही थी। गांव के ही महेंद्र यादव पड़ोसी कृपा शंकर यादव के खेत से बीती रात सिंचाई हेतु पाइप फैलाकर अपने खेत में ले जा रहे थे। कृपा शंकर यादव ने खेत गीला हो जाने की बात कह अपने खेत से पाइप ले जाने के लिए मना कर दिया।

होटल के बाथरूम से मिले शव

शिमला। शिमला के रामपुर उपमंडल के एक निजी होटल के बाथरूम से संदिग्ध हालत में एक व्यक्ति के शव मामले में पुलिस ने नेपाली मूल की दम्पति को गिरफ्तार किया है। व्यक्ति को मौत के घाट उतारकर दम्पति फरार हो गई थी। रामपुर पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी को उत्तराखंड के चमोली से गिरफ्तार किया है। वे नेपाल भागने की फिराक में थे। रामपुर पुलिस ने दम्पति के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान जितेंद्र और उमा पत्नी जितेंद्र निवासी नेपाल के तौर पर हुई है। रामपुर के डीएसपी नरेश शर्मा ने आरोपी दम्पती की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

बाइडन ने नागरिकों से व्यवस्थित सत्ता परिवर्तन का वादा किया

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश के नागरिकों से डोनाल्ड ट्रंप की जीत को स्वीकार करने का आग्रह किया और कसम खाई कि सत्ता का व्यवस्थित हस्तांतरण होगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, बाइडेन ने कल व्हाइट हाउस में कहा अमेरिकी प्रयोग कायम है। हम ठीक होने जा रहे हैं, लेकिन हमें इस पर लगे रहने की जरूरत है। हमें चलते रहने की जरूरत है और सबसे बढ़कर यह कि हमें विश्वास बनाए रखने की जरूरत है।

कालीसिंध नदी के किनारे मिला युवक का शव

राजगढ़। सारंगपुर थाना क्षेत्र में दालमील के समीप कालीसिंध नदी के किनारे शुक्रवार सुबह 36 वर्षीय युवक का शव मिला है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार दाल मील के समीप कालीसिंध नदी के किनारे 36 वर्षीय संजय पुत्र रामसिंह प्रजापति शुक्रवार सुबह मृतअवस्था में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस मुठभेड़ में इनामी अपराधी गिरफ्तार

कानपुर देहात। जनपद की अकबरपुर पुलिस ने शुक्रवार सुबह एक मुठभेड़ के दौरान 25 हजार के वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है। इस पर चोरी के लगभग छः से अधिक मुकदमे पंजीकृत हैं । कानपुर देहात के थाना अकबरपुर पुलिस ने शुक्रवार सुबह एक मुठभेड़ के दौरान एक वांछित अपराधी मनोज सिंह, निवासी रेउरी थाना सचेण्डी, कानपुर नगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम शुक्रवार को भोर में बारा जोड़ कानपुर-इटावा हाइवे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी।

अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें डीसी-एसपी : सुखविंद्र

- अवैध खनन रोकने के लिए स्थानीय लोगों को शामिल करने पर बल दिया
- नशे से बचाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया

शिमला। एजेंसी

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को शिमला में आयोजित डीसी-एसपी सम्मेलन के दूसरे दिन के कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हमीरपुर, मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, सिरमौर, शिमला और सोलन जिलों के अधिकारियों के साथ संवाद किया और उन्हें अपने-अपने जिलों में सुशासन पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उपायुक्तों को उपमंडल स्तर पर राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करने और 31 दिसंबर, 2024 तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सभी डीसी और एसपी की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीआर) के लिए नए प्रदर्शन-आधारित नियम बनाए हैं। पिछली वर्णनात्मक ग्रेडिंग प्रणाली की तुलना में अधिकारी मूल्यांकन के लिए अब संख्यात्मक ग्रेडिंग सिस्टम लाया गया है। उन्होंने अधिकारियों को अवैध खनन और मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध खनन को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए स्थानीय लोगों को शामिल करने पर बल दिया।

सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए आईजी स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में एक विंग बनाने पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को नशे से बचाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को एफसीए क्लीयरेंस मामलों में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि लोगों को समय पर विकास परियोजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि एफसीए मामलों में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रयासरत है। हिमाचल प्रदेश दूध के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने वाला देश का पहला राज्य है। गाय का दूध 45 रुपये प्रति लीटर और भैंस का दूध 55 रुपये प्रति लीटर की दरों पर खरीदा जा रहा है।

इसके अतिरिक्त प्राकृतिक खेती से तैयार की गई गेहूं के लिए 40 रुपये प्रति किलोग्राम और मक्की के लिए 30 रुपये प्रति किलोग्राम न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है।

उन्होंने राज्य में हरित पंचायतों की स्थापना की पहल के तहत उपायुक्तों को सौर परियोजनाओं के लिए उपयुक्त भूमि की शीघ्र पहचान करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 6,000 अनाथ बच्चों को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के रूप में गोद लिया है। उन्होंने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके अनाथ बच्चों को परामर्श प्रदान करें।

देवभूमि उत्तराखंड को वेलनेस हब बनाने के संकल्प के साथ सामूहिक योगाभ्यास

देहरादून। एजेंसी

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के मौके पर दून योग पीठ देहरादून की ओर से देवभूमि उत्तराखंड को वेलनेस हब बनाने के संकल्प के साथ शुक्रवार को घंटाघर में योग शिक्षकों और योग साधकों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। साथ ही टपकेश्वर महादेव मंदिर, माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर, धोलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम धोलास में राज्य की सुख-समृद्धि की मंगलकामना के साथ विशेष पूजा-अर्चना की गई। दून योगपीठ देहरादून के संस्थापक आचार्य डॉ. बिपिन जोशी ने सभी योग साधकों को उत्तराखंड की आन-बान-शान की प्रतीक उत्तराखंडी टोपी पहनाई। वहीं घंटाघर में सफाई अभियान चलाया गया और पर्यावरण मित्र कृष्णा देवी को उत्तराखंड की टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। आचार्य जोशी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को प्रकृति ने हिमालय, गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियां, चारधाम और जागेश्वर, बागेश्वर, आदिकैलाश जैसे हजारों आध्यात्मिक महत्व के स्थान, स्वास्थ्य अनुकूल वातावरण, पौष्टिक भोजन, जैविक खाद्य पदार्थ, फल, सब्जियां, जड़ी-बूटी आदि प्रदान की है। यदि राज्य के गांवों को योग आयुर्वेद ग्रामों के रूप में विकसित किया जाए तो उत्तराखंड को केरल की तर्ज पर वेलनेस का एक बड़ा हब बनाया जा सकता है। इसके लिए युद्ध स्तर पर प्रयास के साथ जनसहभागिता भी जरुरी है। इस अवसर पर योगाचार्य अम्बिका उनियाल, योग शिक्षक विनय प्रकाश, सुनील, अदिति उनियाल, सोनाली आदि उपस्थित थे।

नेपाल-भारत के बीच दो नई ट्रांसमिशन लाइन पर सैद्धांतिक सहमति

काठमांडू। एजेंसी

नेपाल और भारत के बीच दो अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन पर सैद्धांतिक सहमति हो गई है। नई दिल्ली का तीन दिवसीय दौरा पूरा कर लौटे ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच नेपाल के इनरुवा और भारत के पूर्णिया को जोड़ने वाली 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन और इतनी ही क्षमता की लम्की-बरेली ट्रांसमिशन लाइन के निवेश के प्रारूप पर सैद्धांतिक सहमति हो गई है। इनरुवा-पूर्णिया ट्रांसमिशन लाइन को 2027-2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। लमकी (दोधारा)-बरेली 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन को 2028-2029 तक पूरा करने पर भी सहमति बनी है। नेपाल इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों को न्यू बुटवल-गोरखपुर ट्रांसमिशन लाइन के भारतीय खंड की तर्ज पर बनाने का प्रस्ताव कर रहा था। उन्होंने कहा नई दिल्ली में उनकी भारत के मंत्री मनोहर लाल के साथ द्विपक्षीय बैठक हुई। खड़का ने बताया कि इस पर नेपाल विद्युत प्राधिकरण और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया मिलकर काम करेंगे।

खड़का के मुताबिक नेपाल अपने हिस्से का निर्माण कार्य अमेरिका की एमसीसी परियोजना के अनुदान से करेगा। यह जानकारी भारत को दे दी गई है। नेपाल की सीमा से भारत के गोरखपुर तक निर्माण के लिए दोनों देशों की सरकारी कंपनी को मिला कर एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी बनाने पर भी सहमति हो गई है।

डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस के स्टाफ में सबसे ताकतवर होंगी सूसी विल्स

वाशिंगटन। एजेंसी

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने अपने चुनाव में फ्लोरिडा की रणनीतिकार सूसी विल्स को व्हाइट हाउस का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया है। वह व्हाइट हाउस की पहली अमेरिकन महिला चीफ ऑफ स्टाफ होंगी। उन्होंने लगभग चार साल तक ट्रंप के चुनाव अभियान की कमान संभाली। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, मंगलवार को चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने सूसी के रूप में व्हाइट हाउस में पहली नियुक्ति की है। 67 वर्षीय सूसी विल्स उनके परिवार के बेहद करीब हैं। विल्स ने ट्रंप को अराजक प्रबंधन शैली से उबारा है। वह 2016 और 2020 में भी ट्रंप के राजनीतिक अभियान से जुड़ी रही हैं। साथ ही मुकदमों से निपटने में भी ट्रंप की मदद की है। ट्रंप ने उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा सूसी सख्त, स्मार्ट, नवोन्मेषी हैं और सार्वभौमिक रूप से प्रशंसित और सम्मानित हैं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह हमारे देश को गौरवान्वित करेंगी।

सूसी के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, ट्रंप के दो बड़े बेटों डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और एरिक से घनिष्ठ संबंध हैं। सूसी विल्स के पिता पैट समरॉल दिग्गज फुटबॉलर रहे हैं। फ्लोरिडा के पूर्व गवर्नर जेब बुश ने ट्रंप के इस फैसले की प्रशंसा की है। सूसी विल्स ने फ्लोरिडा स्थित लॉबिंग फर्म बैलार्ड पार्टनर्स और फिर मर्करी पब्लिक अफेयर्स के लिए भी काम किया है। सूसी विल्स की व्हाइट हाउस में अहम भूमिका होगी। विल्स रिपब्लिकन पार्टी की कार्यकर्ता हैं। अब वह व्हाइट हाउस के कर्मचारियों का प्रबंधन करेंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम तय करेंगी।

फ्लोरिडा स्थित रिपब्लिकन सलाहकार डेविड जॉनसन ने कहा, ₹सूसी एक मजबूत महिला और एक सच्ची नेता हैं।

रेलवे में नौकरी के नाम पर युवती से लाखों हड़पे, केस दर्ज

फतेहाबाद। रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम जिले के जाखल क्षेत्र की एक युवती से कुछ लोगों द्वारा लाखों रुपये ठगने का मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़ित युवती की शिकायत पर जाखल पुलिस ने शुक्रवार को छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जाखल पुलिस को दी शिकायत में गांव मामूपुर निवासी युवती शाह रोशनी ने कहा है कि मई 2024 में उसके पड़ोसी मदन लाल पुत्र तीनीराम ने उससे कहा कि वह उसे रेलवे में सरकारी नौकरी लगवा सकता है। उसका जीजा जगतार सिंह पुत्र अनरीक सिंह निवासी म्योंद रेलवे में नौकरी करता है। उसने पहले भी कई भर्तियां करवाई हैं। इस पर जब उन्होंने जगतार से बात की तो उसने कहा कि वह पहले डीसी रेट पर रेलवे में नौकरी लगवा देगा और फिर पक्का करवा देगा। रेलवे में काम करने वाले विक्रांत, पूनम रंगा व प्रवीन चौहान उसके करीबी हैं। इसके बाद जगतार समय-समय पर कोई ना कोई बहाना बनाकर पैसे ट्रांसफर करवाता रहा।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म, केस दर्ज

अंबाजी। प्रख्यात शक्तिपीठ अंबाजी शहर के गब्बर इलाके में एक नाबालिग से छह लोगों के सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने एक बार मानवता को शर्मसार किया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर अंबाजी थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस आरोपितों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी इस केस को गंभीरता से लिया है और पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार बनासकांठा जिले में अंबाजी थाना पुलिस ने दांता तहसील के गब्बर इलाके में एक 15 वर्षीय नाबालिग से छह लोगों के दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार किशोरी अपने बड़े पिता (ताऊ) के घर जा रही थी। गब्बर सर्किल के समीप किसी परिचित ने किशोरी को अपनी बाइक पर लिफ्ट दी और फिर वह किशोरी को किसी सुनसान जगह पर ले गया। वहां पर छह लोगों ने नाबालिग से बलात्कार किया और किशोरी को बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गए। इस घटना के सामने आने से पूरे लेकर पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई है।

महिलाओं से जुड़ी जगहों पर महिला कर्मचारी होना जरूरी : बबीता चौहान

लखनऊ। एजेंसी

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने बताया कि राज्य महिला आयोग, उप्र की एक बैठक में महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए आवश्यक फैसले लेकर प्रस्ताव तैयार किया गया है। महिला आयोग के सभी सदस्यों की सहमति से तैयार प्रस्ताव में महिलाओं से जुड़ी प्रत्येक जगहों पर महिला कर्मचारी होना जरूरी बताया है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने महिलाओं के अधिकार को लेकर बनाये गये प्रस्ताव को शासन में भेजा है। इस संबंध में बबीता चौहान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि महिलाओं से संबंधित वस्त्रों की दुकानों पर महिला कर्मचारी होना अनिवार्य होना है। वस्त्र की सिलाई करने के लिए पुरुष के स्थान पर महिला टेलर होनी चाहिए। महिला टेलर ही महिलाओं की माप ले सकती हैं, पुरुष टेलर को महिलाएं माप नहीं देगी। उन्होंने कहा कि जिम एवं योगा सेंटर जाने वाली महिलाओं को पुरुष जिम ट्रेनर नहीं, बल्कि महिला ट्रेनर प्रशिक्षण देगी। जिम या योगा सेंटर में सक्रिय सीसीटीवी और डीवीआर अनिवार्य लगाये जाये। इसी तरह विद्यालय की बसों में महिला सुरक्षाकर्मी या टीचर का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बैठक में तय किये गये फैसलों में महिलाओं की सुरक्षा का ध्यान रखकर ही नाट्य कला केंद्रों में महिला डांस टीचर और सक्रिय सीसीटीवी जरूरी माना गया है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक : वंदना

हिसार। एजेंसी

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डा. वंदना बिश्नोई ने कहा है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अवश्य भाग लेना चाहिए। डॉ. वंदना बिश्नोई शुक्रवार को विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के सौजन्य से ह्यइमर्जिंग मेटीरियल्स एंड क्वांटम फोटोनिक्सह्ल(आईसीईएमक्यूपी-2024) विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान चौधरी रणबीर सिंह सभागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में लावणी डांस, हरियाणवी डांस, हरियाणवी रागनी, भंगड़ा व कोरियोग्राफी की प्रस्तुतियां विश्वविद्यालय के एमएससी फिजिक्स के विद्यार्थियों व एनएसएस के स्वयंसेवकों ने दी। दर्शकों के लिए ये प्रस्तुतियां रोमांचक रही। इस अवसर पर वीना छोकर, संरक्षक प्रो. देवेन्द्र मोहन, डीन फैकल्टी ऑफ फिजिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. अंजू गुप्ता व डा. रमन उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक प्रो. आशीष अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन में 11 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जा चुका है।

छठ के समापन पर आस्था, विश्वास, श्रद्धा, समर्पण का अनूठा संगम

देहरादून। एजेंसी

आस्था, विश्वास, श्रद्धा, समर्पण व उल्लास का अनूठा संगम...। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अंतिम दिन शुक्रवार को व्रती महिलाओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर कठिन व्रत का समापन किया। हर ओर आस्था व श्रद्धा का अद्भुत दृश्य दिखा। भोर से ही मंगल गीत गाती व्रती महिलाओं के आने का क्रम शुरू हो गया।

टपकेश्वर, मालदेवता, प्रेमनगर, चंद्रबनी, पटेलनगर, हरभजवाला, गुल्लरघाटी, छह नंबर पुलिया, केसरवाला, रिस्पना पुल, रायपुर, ब्रह्मवाला आदि राजधानी दून समेत प्रदेश भर में गंगा किनारे आस्था का समंदर हिलोरें मार रहा था। एक तरफ व्रती महिलाओं की टोली छठ मइया की उपासना में जुटी थी तो दूसरी ओर सैकड़ों लोग उनकी कठोर तपस्या के साक्षी बनने को लालायित थे। अल सुबह ही ऐसा लग रहा था मानों पूरा नगर ही घाटों पर उमड़ आया हो।

आसमान में लालिमा बिखेरते सूर्यदेव जैसे ही प्रकट हुए व्रतियों ने अर्घ्य देकर अपने कठिन छठ व्रत का समापन किया। छठ घाटों पर भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे।

गुरुवार की सांझ बेला अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद से ही लोग उगते सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारी में जुट गए थे। आधी रात के बाद से ही श्रद्धालुओं की टोली छठ घाट पर पहुंच गई। छठ घाटों पर पहुंचने के बाद वेदी पूजन कर महिलाएं जल में प्रवेश कर गईं, जो उजाला होते ही हाथों में अर्घ्य सामग्री लेकर सूर्य के उगने का इंतजार कर रही थीं। लगातार 36 घंटे तक निर्जला व्रत रख साफ-सुथरे सूप व डलिया में सेब, संतरा, केला, शरीफा, कंदा, मूली, गन्ना, नारियल के साथ ही माला-फूल, धूपबत्ती व दीपक सजाकर पूजन के लिए तैयार महिलाओं के चेहरे पर थकावट का भाव नहीं दिखा। छठ मइया के प्रति उनका विश्वास और आस्था देख साथ आई महिलाएं भी उनके प्रति श्रद्धाभाव दिखाती रहीं। व्रती महिलाएं छठ माई के पारंपरिक गीत गाकर भगवान सूर्य से उदय होने के लिए मनुहार करती रहीं। घंटों कमर भर पानी में खड़े रहकर छठ मइया की आराधना की।

सूर्यदेव, उषा, प्रकृति को समर्पित है छठ व्रत

छठ देवी सूर्यदेव की बहन है, इसलिए छठ पर्व पर छठ देवी को प्रसन्न करने के लिए सूर्यदेव को प्रसन्न किया जाता है। छठ व्रत सूर्य देव, उषा, प्रकृति, जल और वायु को समर्पित हैं। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और विश्वास से करने से नि:संतान स्त्रियों को संतान सुख की प्राप्ति होती है।

भगवान भास्कर की लालिमा आसमान में दिखी

सुबह जैसे ही भगवान भास्कर की लालिमा आसमान में दिखी, अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू हो गया। लोगों ने उगते सूर्यदेव को मंत्रोच्चारण के बीच जल और दूध अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, व्रती महिलाओं के साथ उनके परिजनों और रिश्तेदारों ने भगवान भाष्कर को अर्घ्य देकर उनके प्रति आस्था जताई। अर्घ्य देने के साथ लोगों में प्रसाद लेने की होड़ मच गई। दिन भर प्रसाद वितरण का दौर चला। जिसके घर छठ पूजा हुई थी वे अपने शुभचिंतकों को प्रसाद देने निकल पड़े।

छठ गीतों से वातावरण भक्तिमय

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर और छठी माई को याद कर व्रती महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान छठ गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

घाट पर प्रसाद वितरण

पूजा होने के बाद छठ घाट पर लोगों को प्रसाद बांटने की भी परंपरा है। प्रसाद का अर्थ दूसरे का आशीर्वाद लेने की प्रक्रिया है। प्रसाद ग्रहण करने से अंत:करण के तमाम विकार खत्म हो जाते हैं।

भाजपा सदस्यता अभियान से जनता में उत्साह, बन रहे सदस्य : अशोक

हिसार। एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान जिलेभर में जोर-शोर से चलाया जा रहा है। हर क्षेत्र में जनता पार्टी के इस अभियान में रूचि लेकर सदस्य बन रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने शुक्रवार को बताया कि पार्टी की ओर से सदस्यता अभियान का कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में चलाया जा रहा है। पार्टी की अलग-अलग टीमें सदस्यता अभियान चला रही है वहीं नागरिक स्वयं भी पार्टी के सदस्य बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी के सदस्यता अभियान के साथ ही 8 नवंबर से तीन दिनों तक जिले में महासंपर्क अभियान भी चलाया गया है। इसके तहत विभिन्न टीमों ने घर-घर जाकर नागरिकों को पार्टी का सदस्य बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पार्टी के महासंपर्क अभियान को भी जनता का बहुत साथ मिला और नागरिकों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने बताया कि एक माह तक चलने वाले सदस्यता अभियान के तहत पूरे जिले में अढ़ाई लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

संक्षिप्त खबरें

ताकुमा ओबायाशी को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे किरण जॉर्ज

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने शुक्रवार को जापान के ताकुमा ओबायाशी को हराकर कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 24 वर्षीय भारतीय ने क्वार्टर फाइनल में पांचवें वरीय जापानी प्रतिद्वंद्वी को 39 मिनट तक चले मैच में 21-14, 21-16 से हराया। इससे पहले, विश्व के 44वें नंबर के खिलाड़ी जॉर्ज ने दूसरे दौर में चीनी ताइपे के तीसरे वरीय ची यू जेन को 21-17, 19-21, 21-17 से हराया था। जॉर्ज शनिवार को सेमीफाइनल में थाईलैंड के शीर्ष वरीय और विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसार्न से भिड़ेंगे, जिन्होंने चीन के लियू लियांग के खिलाफ 21-15, 21-11 से जीत दर्ज की। 1-1 स्कोरलाइन के बाद, पहले गेम में जॉर्ज हमेशा आगे रहे। जब जॉर्ज ने 15-6 की बढ़त हासिल की, तो ओबायाशी ने थोड़ा प्रतिरोध किया, जिससे अंतर 12-16 हो गया। लेकिन जापानी खिलाड़ी इतना ही कर पाए, क्योंकि जॉर्ज ने लगातार चार अंक हासिल करके पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम काफी करीबी रहा, क्योंकि दोनों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाया।

चोंगकिंग महिला गोल्फ ओपन : झोउ, सरनपोर्न ने पहले दौर में बढ़त हासिल की

बीजिंग। 14 वर्षीय स्थानीय गोल्फ खिलाड़ी झोउ शियुआन ने गुरुवार को 2024 कोव चाइना स्पोर्ट्स लॉटरी चोंगकिंग महिला ओपन के पहले दौर के बाद चार अंडर 68 का कार्ड खेला और थाईलैंड की सरनपोर्न कटेसुवान के साथ शीर्ष पर पहुंच गईं। झोउ ने लगातार नौ पार के साथ शुरूआत करके स्थानीय प्रशंसकों को रोमांचित किया। फिर उसने बैक नाइन पर पांच बर्डी लगाई और केवल एक बोगी दर्ज की। झोउ ने कहा यह एक शानदार दिन है, जिसमें शानदार स्कोर रहा, जो मेरी उम्मीदों से बढ़कर है। जीत के बारे में कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है। सरनपोर्न ने भी पांच बर्डी और एक बोगी दर्ज की। 19 वर्षीय खिलाड़ी सरनपोर्न ने कहा मैंने खुशनुमा गोल्फ खेलने की कोशिश की, चीजों की अधिक उम्मीद नहीं की।

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे से संन्यास लेंगे मोहम्मद नबी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नबी आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के मुख्य कार्यकारी नसीब खान ने शुक्रवार को क्रिकबज से इस बात की पुष्टि की। नसीब ने क्रिकबज से कहा हां नबी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे से संन्यास ले रहे हैं और उन्होंने बोर्ड को अपनी इच्छा से अवगत करा दिया है। उन्होंने मुझे कुछ महीने पहले बताया था कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपना वनडे करियर खत्म करना चाहते हैं और हम उनके फैसले का स्वागत करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद, मुझे लगता है कि उनसे अपने टी20 करियर को जारी रखने की उम्मीद है और अब तक यही योजना है। नबी ने अफगानिस्तान के लिए अपना पहला वनडे 2009 में स्कॉटलैंड के खिलाफ खेला और अपने डेब्यू मैच में अर्धशतक बनाकर अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने 165 वनडे में 27.30 की औसत से 3549 रन बनाए और 171 विकेट भी लिए।

भारत के खिलाफ मैच के लिए प्रधानमंत्री एकादश के मुख्य कोच नियुक्त हुए टिम पेन

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शुक्रवार को पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टिम पेन को 30 नवंबर से मनुका ओवल में भारत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए प्रधानमंत्री एकादश टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। पेन को कैनबरा के स्थानीय खिलाड़ी एरिन ओसबोर्न और जेसन मैकनेली का समर्थन प्राप्त होगा। 39 वर्षीय पेन ने 2018 से 2021 तक ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम की कप्तानी की। दाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर, पेन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का अभिन्न अंग थे।

पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप के बीच 21 किलोमीटर मैराथन का आयोजन

अनेक ठाकुर और सुनीता बने विजेता

- महिला वर्ग में शीतल ने प्रतियोगिता अपने नाम की
- 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर मैराथन आयोजित

धर्मशाला। एजेंसी

विश्व विख्यात पैराग्लाइडिंग साइट बिल्डिंग में चल रहे पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप के बीच साहसिक खेलों और गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को लैंडिंग साइट बीड़ में मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तीन वर्गों की इस मैराथन में 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर मैराथन आयोजित की गई। प्रतियोगिता में करीब 50 धावकों ने हिस्सा लिया।

21 किलोमीटर मैराथन की बात करें तो इस मैराथन में पुरुष वर्ग में अनेक ठाकुर विजेता बने जबकि महिला वर्ग में सुनीता ने यह मैराथन जीती। इसी तरह दूसरे स्थान पर अनिल और तीसरे स्थान पर मलकीत ने जगह बनाई। महिला वर्ग में तेंजिन दूसरे और गार्गी तीसरे स्थान पर रही। इसके अलावा 10 किलोमीटर मैराथन में पुरुष वर्ग में अनीश चंदेल ने जीत का परचम लहराया जबकि महिला वर्ग में शीतल ने यह प्रतियोगिता अपने नाम की। इसी वर्ग में देशराज दूसरे तथा गुरविंदर तीसरे स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में अनुजा रावत दूसरे स्थान पर रही। 5 किलोमीटर वर्ग में आशीष और सियाली नायक विजेता बने जबकि भारद्वाज नंदन दूसरे तथा लकी राणा तीसरे स्थान पर रहे। इसी तरह महिला वर्ग में शिवा दूसरे और मृणालिनी ठाकुर और सान्या तीसरे स्थान पर रही। विजेताओं को जिला पर्यटन अधिकारी कुल्लू सुनयना शर्मा ने पुरस्कृत किया। विजेताओं को नगद इनाम दिए गए।

9 से 11 नवंबर तक होगी थ्रोबॉल राष्ट्रीय चैंपियनशिप

बिजनौर। बिजनौर में गत वर्ष की भाति इस वर्ष भी राष्ट्रीय थ्रोबाल चैम्पपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 09 से 11 नवम्बर तक होगा। यह कार्यक्रम थ्रोबाल फेडेरेशन इंडिया द्वारा ऐसोशियेशन उत्तर प्रदेश तथा विवेक कॉलेज बिजनौर के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। खेल के आयोजन के बारे में अध्यक्ष एवं विवेक ग्रुप के चैयरमेन अमित गोयल ने बताया कि राष्ट्रीय थ्रोबाल चैम्पपियनशिप का उदघाटन बिजनौर के पुलिस अधीक्षक (शहर) संजीव वाजपेयी द्वारा 09 नवम्बर पूर्वाह्न 10 बजे किया जाएगा। राष्ट्रीय थ्रोबाल चैम्पपियनशिप में पूरे भारत से राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, केरला, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ, पंजाब, चंडीगढ, बिहार, तमिलनाडू, मध्य प्रदेश, हिमाचल से महिला एवं पुरुष वर्ग की लगभग 20 स्टेट की टीमें आज ही पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि 11 नवम्बर को विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

राजीव श्रीवास्तव ने की धुआंधार बल्लेबाजी, अमर उजाला को हराकर टाइम्स पहुंचा फाइनल में

लखनऊ। एजेंसी

इकाना मीडिया टी-20 कप क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अमर उजाला ने टाइम्स आफ इंडिया को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस मैच में टाइम्स आफ इंडिया के आलराउंडर राजीव श्रीवास्तव ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 46 बाल पर 57 रन बनाये। अमर उजाला ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 150 रन बनाये।

सलामी बल्लेबाज शरीफ ने 11 रन का योगदान दिया। वहीं अपनी टीम में सबसे अधिक 67 रन राजीव आनंद ने बनाया। अनुराग बाजपेयी ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं सुधीर एक रन और अनुज तीन रन बनाकर आउट हो गये।

टाइम्स आफ इंडिया की शुरूआत बहुत खराब रही और सलामी बल्लेबाज अब्बास दो रन बनाकर ही पवेलियन लौट गये। वहीं ऋषि सेंगर ने 19 रन का योगदान दिया, जबकि राजीव श्रीवास्तव ने पांच चौका व एक छक्का के योगदान से धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 46 बाल पर 57 रन बनाये। राजीव श्रीवास्तव ने गेंदबाजी करते हुए भी एक विकेट झटके। वहीं विवेक चौहान ने 52 रन का योगदान दिया। टाइम्स आफ इंडिया ने चार विकेट गंवाकर ही 153 रन बना लिये और छह विकेट से सेमीफाइनल का मैच जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

लेवांडोव्स्की की नजर 100वें चैंपियंस लीग गोल पर

वारसॉ। एजेंसी

एफसी बार्सिलोना के स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की, जिन्होंने बुधवार शाम को रेड स्टार बेलग्रेड पर 5-2 की जीत में अपना 98वां और 99वां चैंपियंस लीग गोल किया, की निगाहें अब अपने 100वें चैंपियंस लीग गोल पर हैं। लेवांडोव्स्की ने पहले हाफ में दो गोल किए। ब्रेक के बाद, पोलिश खिलाड़ी के पास हैट्रिक बनाने और चैंपियंस लीग में अपना 100वां गोल करने का मौका था, लेकिन वह लक्ष्य से चूक गए। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने गुरुवार को पोलिश मीडिया से कहा मैच के दौरान, मैंने यह नहीं सोचा कि मैंने पहले ही कितने गोल किए हैं। मैंने हैट्रिक बनाने का एक अच्छा मौका गंवा दिया, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मेरे पास गोल करने के अवसर थे। मैच के बाद, कोच हंसी फ्लिक ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह बेहतर होगा यदि मैं बार्सिलोना में हमारे स्टेडियम में प्रतियोगिता में अपना 100वां गोल करूं।

लेवांडोव्स्की ने कहा हमें इस बात से थोड़ी तकलीफ हुई कि हमने दो गोल खाए। हम उन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।

शाई होप के साथ विवाद के बाद अल्जारी जोसेफ दो मैचों के लिए निलंबित

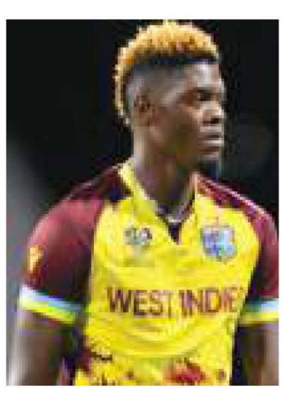

बारबाडोस। एजेंसी

वेस्टइंडीज की इंग्लैंड पर 2-1 से सीरीज जीत के बाद, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को टीम के कप्तान शाई होप के साथ मैदान पर तीखी बहस के बाद दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है। यह घटना बारबाडोस में तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान हुई, जिसमें जोसेफ मैदान से बाहर चले गए। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने गुरुवार को जोसेफ के व्यवहार को वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों से अपेक्षित मानकों से कम बताते हुए निलंबन की घोषणा की। मैच के बाद, जोसेफ ने सीडब्ल्यूआई के माध्यम से एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की और अपने कप्तान, टीम के साथियों, प्रबंधन और प्रशंसकों से माफी मांगी। जोसेफ ने कहा मैं मानता हूं कि मेरा जुनून मुझ पर हावी हो गया। मैंने व्यक्तिगत रूप से कप्तान शाई होप और अपने साथियों और प्रबंधन से माफी मांगी है। मैं वेस्टइंडीज के प्रशंसकों से भी अपनी ईमानदारी से माफी मांगता हूं। मैं समझता हूं कि निर्णय में थोड़ी सी भी चूक का दूरगामी प्रभाव हो सकता है और मुझे किसी भी निराशा के लिए गहरा खेद है।

केंसिंग्टन ओवल में मैच के चौथे ओवर में यह स्थिति सामने आई। जोसेफ, जो पहले से ही फील्ड प्लेसमेंट को लेकर निराशा के लक्षण दिखा रहे थे।

बारबोरा क्रेजिकोवा सेमीफाइनल में

रियाद। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्विएटेक गुरुवार को डब्ल्यूटीए फाइनल्स से बाहर हो गईं, जबकि बारबोरा क्रेजिकोवा ने कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। चेक विंबलडन चैंपियन ने गॉफ पर 7-5, 6-4 से जीत दर्ज की, जिससे स्विएटेक की खिताबी जीत की उम्मीद खत्म हो गई, जिन्हें ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने के लिए क्रेजिकोवा की हार की जरूरत थी। राउंड-रॉबिन प्ले के आखिरी दिन में एक जीत और एक हार के साथ, स्विएटेक की डारिया कसाटकिना पर 6-1, 6-0 की जीत ने उनके क्वालीफिकेशन के अवसरों पर कोई असर नहीं डाला। गॉफ यदि क्रेजिकोवा को हरातीं तो स्विएटेक सेमीफाइनल में पहुंच सकती थीं। हालांकि यह परिणाम नहीं हुआ और क्रेजिकोवा ने पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। ऑरेंज ग्रुप की विजेता के रूप में क्रेजिकोवा आगे बढ़ीं और शुक्रवार के अंतिम-चार चरण में झेंग किनवेन का सामना करेंगी। जबकि यूएसए की गॉफ उपविजेता के रूप में आगे बढ़ेंगी।

हैदराबाद में तेलुगू टाइटन्स के प्रशंसकों के सामने खेलना याद रहेगा : पवन सेहरावत

हैदराबाद। एजेंसी

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के हैदराबाद चरण के अंत के करीब पहुंचने के साथ, घरेलू पसंदीदा, तेलुगु टाइटन्स, जिनकी कप्तानी कप्तान पवन सेहरावत कर रहे हैं, हाल ही में जीत की हैट्रिक दर्ज करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। पीकेएल सीजन 11 में हैदराबाद में उनका अंतिम मुकाबला गत विजेता और तालिका में शीर्ष पर चल रही पुनेरी पलटन से होगा। अपनी टीम के लिए शानदार फॉर्म में चल रहे पवन सेहरावत ने कहा कि युवा टीम भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है, इसमें और सुधार की गुंजाइश है, और उन्होंने यह भी कहा कि वह खेल का काफी आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा हमने हाल के खेल जीते हैं, लेकिन हम यहाँ-वहाँ की गई छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज नहीं कर सकते, और हम प्रशिक्षण में इस पर काम करेंगे। लेकिन पिछले 3-4 मैचों से मैं वास्तव में इसका लुत्फ उठा रहा हूँ। अपने दिमाग में दबाव के साथ खेल खेलना एक बात है, और दूसरी बात यह है कि खेल को इसलिए खेलना क्योंकि आप वास्तव में इसका आनंद लेते हैं, और मेरे लिए, हाल ही में यह बाद वाली बात रही है।

तेलुगू टाइटन्स और खुद के लिए किस तरह से बदलाव आया, इस बारे में विस्तार से पवन ने कहा जिस तरह से हमारे कोच (कृष्ण कुमार हुड्डा) ने हमें लगातार प्रेरित किया है, उससे टीम को और मुझे बहुत मदद मिली है। कई बार, एक वरिष्ठ खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर, आप खेल के बारे में सोचते हैं और आपको पता होता है कि मैट पर चीजें गलत भी हो सकती हैं। लेकिन कोच ने मुझसे कहा कि उन्हें हम पर पूरा भरोसा है और उन्होंने हमें खुलकर खेलने को कहा।

इससे हमें मैच से पहले तनाव से राहत मिली और इससे मुझे अच्छा महसूस हुआ और हम स्पष्ट दिमाग के साथ खेल में उतरने में सक्षम हैं और इससे बहुत मदद मिलती है। जब भी तेलुगू टाइटन्स पीकेएल सीजन 11 के दौरान मैट पर उतरी हैं, हैदराबाद के गाचीबोवली में जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों ने उनका उत्साहवर्धन किया है, भले ही स्कोर घरेलू टीम के पक्ष में न रहा हो।

व्यापार

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। एजेंसी

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, हेल्थ केयर और मेटल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा।

ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 443.92 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 448.45 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 4.53 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

ट्रंप की जीत से बदला गोल्ड मार्केट का रुझान

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू सर्राफा बाजार में जबरदस्त कमजोरी नजर आ रही है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं ने जोरदार गिरावट के साथ कारोबार की शुरूआत की है। सोना की कीमत में 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की और चांदी की कीमत में 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आ गई है। इसके पहले सर्राफा बाजार में इतनी तेज गिरावट आम बजट में आए सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी को घटाने के बाद देखी गई थी। माना जा रहा है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद सोने की मांग में कमी होने की आशंका बन गई है, जिसकी वजह से वैश्विक दबाव में सोना और चांदी के भाव में गिरावट आ गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद सेफ इन्वेस्टमेंट की जगह निवेशक ज्यादा जोखिम वाले निवेश की ओर आकर्षित हुए हैं। खासकर निवेशकों ने बिटकॉइन जैसी बड़ी क्रिप्टो करेंसी में कैपिटल फ्लो बढ़ा दिया है। इसकी वजह से बिटकॉइन जहां ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचकर ट्रेड कर रहा है, वहीं सोने की मांग में अचानक गिरावट आ गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सेंटीमेंट कमजोर होने के कारण सोने की आयात पर निर्भर करने वाले भारत जैसे कई देशों के बुलियन मार्केट में भी सोना कमजोर हुआ है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का असर ग्लोबल मार्केट पर साफ-साफ नजर आ रहा है। ब्याज दरों में कटौती की बात से उत्साहित अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। हालांकि आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने पहले दिए गए संकेत के मुताबिक ही ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर दी। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने बयान जारी करके कहा कि रोजगार और महंगाई लक्ष्यों को प्राप्त करने के जोखिम लगभग संतुलन में हैं। कमेटी अपने ड्यूल मैंडेट के दोनों पक्षों के जोखिमों को लेकर चौकस है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के इस फैसले का बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में तेजी आ गई। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,973.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 285.89 अंक यानी 1.51 प्रतिशत उछल कर 19,269.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 43,763.34 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान तेजी के साथ कारोबार करने के बाद अंत में हुई बिकवाली की वजह से मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,140.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत उछल कर 7,425.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

मुख्यमंत्री भ्रमण, भाषण और भ्रमित करने का कार्य कर रहे है: डोटासरा

चमकता राजस्थान

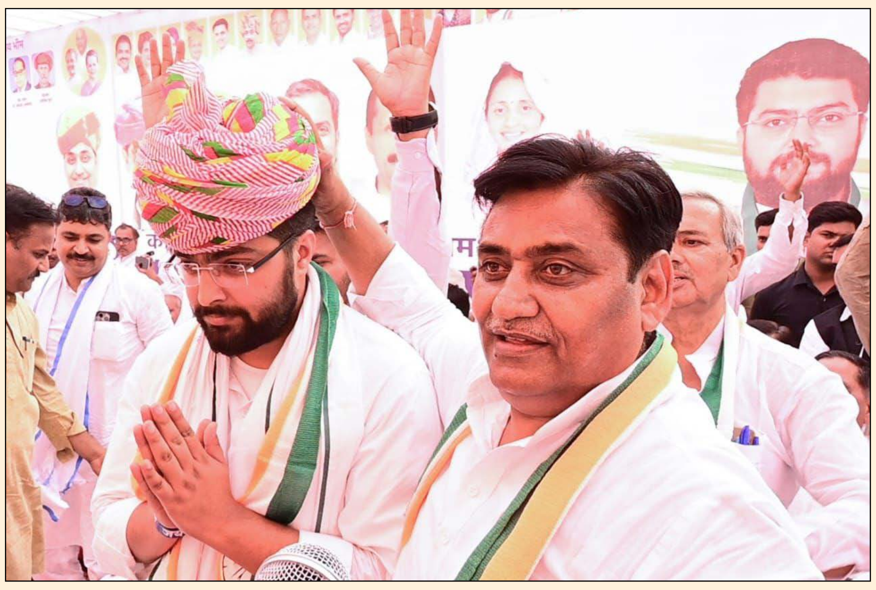

(अत्री कुमार दाधीच)जयपुर, 08 नवम्बर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा दौसा एवं रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के चुनावी दौरे पर रहे शुक्रवार को दौसा विधानससभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा के समर्थन में दौसा में आयोजित जनसभा को सम्बोधित किया। तत्पश्चात उन्होंने अलवर जिले के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी आर्यन जुबेर के समर्थन में बड़ौदामेव में आयोजित जनसभा को सम्बोधित किया।

जनसभा को सम्बोधित करते हुए गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के पश्चात किसानों की समृद्धि, उनकी आय बढ़ाने, उनके दुःख तकलीफों को दूर करने के लिए कोई कार्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने एमएसपी कानून बना कर देने का वादा किया था वह भी पूरा नहीं हुआ, जबकि किसानों ने 15 माह तक सड़कों पर बैठकर आंदोलन किया था और आज भी आंदोलन करना पड़ रहा है लेकिन सरकार सुन नहीं रही। उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी का कानून तो बनाकर नहीं दिया लेकिन तीन काले कानून तो दिए थे, जो किसान आंदोलन के बाद केंद्र सरकार को वापस लेने पड़े। उन्होंने कहा कि आज किसान संघर्ष नहीं करते, केंद्र की तानाशाह सरकार के समक्ष खड़े नहीं होते तो किसानों की खेती और खेत में उपज भाजपा के चहेते उद्योगपतियों के घर में होता। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में बाजरे की एमएसपी पर खरीद करने का वादा किया था किंतु प्रदेश में कहीं भी बाजरे की एमएसपी पर खरीद नहीं की गई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव में कहा था कि कांग्रेस ने 14000 करोड़ के को-ऑपरेटिव के ऋण माफ किए हैं अब किसानों की राष्ट्रीयकृत बैंकों के ऋण भी माफ होंगे किंतु भाजपा की सरकार ने प्रदेश में ऋण माफी पर कोई कार्य नहीं किया, बल्कि प्रदेश में भाजपा सरकार के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने तो यहां तक कहा कि किसान की आदत खराब हो गई है ऋण लेने पर नियत खराब हो जाती है और किसान चुकाता नहीं है इसलिए कर्ज माफी नहीं होनी चाहिए, ऐसा वक्तव्य देकर भाजपा के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने किसानों का अपमान किया। उन्होंने कहा कि यही भाजपा की राजस्थान सरकार की नीति है जिसे कृषि मंत्री ने बताया है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़े-बड़े दावे किए थे। घोषणा पत्र में किसानों को रुपये 12000 किसान सम्मान निधि देने का वादा किया था लेकिन किसी किसान को प्रदेश में रुपये 12000 किसान सम्मान निधि के रूप में नहीं मिले, बल्कि कृषि उपकरणों पर जीएसटी लगाकर किसानों की लागत बढ़ाने और उन्हें परेशान करने का कार्य भाजपा की सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों को डीएपी खाद नहीं मिल रही है और रबी की फसल के लिए 6 घंटे बिजली की आवश्यकता है जो भी राजस्थान की भाजपा सरकार किसानों को नहीं दे पा रही है जबकि पूर्ववर्ती सरकारों में निर्बाध रूप से प्रतिदिन 6 घंटे कम से कम बिजली किसानों को मिलती रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पीड़ितों की सुनवाई नहीं हो रही है मुख्यमंत्री भ्रमण, भाषण और भ्रमित करने का ही कार्य कर रहे हैं और कोई जवाब देने वाला नहीं है कि किसानों को डीएपी खाद कब मिलेगी, 6 घंटे बिजली कब मिलेगी, अतिवृष्टि से परेशान किसानों को मुआवजा कब मिलेगा, वादे कब पूरे होंगे, बाजरे की एमएसपी पर खरीद कब होगी, किसानों को रुपये 12000 किसान सम्मान निधि कब से मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केवल भ्रमित करने का कार्य करते हैं, वे ईआरसीपी की बात करते हैं लेकिन यह नहीं बताते कि पानी कब मिलेगा और कहां तक कार्य हुआ वे यह भी नहीं बताते। उन्होंने कहा कि कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने 10,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट आवंटन कर ईआरसीपी परियोजना पर खर्च कर 60 प्रतिशत तक कार्य करवाया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी जनता को यह बता दें कि रुपये 1 भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने ईआरसीपी परियोजना पर खर्च किया हो तो उसकी सूचना दें और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यमुना जल बंटवारे की बात करते हैं जबकि वास्तविकता यह है कि 1917 क्यूसेक पानी प्रदेश को मिलना था जो कि मूल समझौते में था, यह समझौता पांच राज्यों और केंद्र सरकार के मध्य हुआ था किंतु मुख्यमंत्री जी प्रदेश के हितों को हरियाणा के समक्ष बेच आए और 24000 क्यूसेक पानी हरियाणा के उपभोग के बाद बचने पर प्रदेश को दिया जाए यही समझौता हुआ है जो प्रदेश के हितों के साथ कुठाराघात है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के समक्ष भी प्रदेश के हितों के साथ समझौता किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजस्थान सरकार ने किसानों, गरीबों, आम आदमी सभी जरूरतमंदों के हितों पर कुठाराघात किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास युवाओं को देने के लिए नौकरी नहीं है, रोजगार नहीं है, महंगाई कम करने की नियत नहीं है, आज देश में सब्जी, खाद्य तेल, पेट्रोल-डीजल सब के दाम बढ़ रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री ने प्रदेश से वादा किया था कि हरियाणा के बराबर पेट्रोल-डीजल के दाम राजस्थान में हो जाएंगे लेकिन नहीं हुए। कच्चे तेल के दाम 24 प्रतिशत तक घट गए किंतु केंद्र की भाजपा सरकार ने पेट्रोल के दाम नहीं घटाएं और जनता से वसूली कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा, शिक्षा, सड़क, कानून व्यवस्था, बिजली, पानी सभी क्षेत्रों में यह सरकार विफल रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है, भू-माफिया, बजरी माफिया हावी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार जनता के लिए काम करने की बजाय कांग्रेस सरकार को कोसने में ही 10 महीने निकाल दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार को लगातार विधानसभा में घेर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली जनहित के मुद्दे उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और भाजपा से जवाब देते नहीं बन रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा के घमंड को तोड़ने के लिए कांग्रेस को जीतना आवश्यक है ताकि जनहित के मुद्दों को और मजबूती से उठाया जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश में पंचायत राज के चुनाव नहीं करवा रही, नगर निकायों के चुनाव नहीं करवा रही, कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा लागू जनहित के कार्यों व योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना, इंदिरा रसोई योजना, बिजली के बिलों में जो छूट देने की योजना थी यह सब योजनाएं अब ठंडा बस्ते में डाली जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री ने किसानों के कल्याण करने, किसानों को मजबूत करने, उनके लिए योजनाएं बनाने के लिए कोई कार्य नहीं किया, बस रूठ गए और मनाने का कार्य चल रहा है, अभी नौटंकी कर रहे हैं, ''भिक्षाम देही'' वोट देगी लगा करके घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविकता तो यह है इस बार जनता वोट की भिक्षा नहीं, आराम दे रही का नारा देकर उन्हें हराने वाली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने शासन दे दिया, राज में बैठा दिया लेकिन काम करने की बजाय भाषण बाजी करते रहे और लोकसभा चुनाव में 11 सीटों पर करारी शिकस्त झेलनी पड़ी उसके बाद वोट मांगने के लिए भी ''भिक्षाम देही'' लिख करके घूम रहे हैं लेकिन जनता समझदार है जिस सरकार ने काम नहीं किया उसको वोट नहीं ''आराम देही'' कर घर बैठाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कॉलेज बंद कर रहे हैं, अंग्रेजी मीडियम स्कूल बंद करने की बात कर रहे हैं, भाई से भाई को लड़ना चाहते हैं, मुख्यमंत्री और मंत्री, विधायक सब परेशान है कि उनकी चल नहीं रही तो फिर सरकार चला कौन रहा है, यह समझ से परे है आज अधिकारी मंत्री की नहीं सुन रहे, पर्चियां कट करके ट्रांसफर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भाजपा का कोई मंत्री विधायक दावा नहीं कर सकता कि अपने क्षेत्र में कोई एसडीएम, तहसीलदार लगा सकता हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार तो कांग्रेस शासन में लागू की गई पेंशन भी लोगों को नहीं दे पा रही है। उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि भाजपा केवल ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई का दुरुपयोग करना जानती है इसके अलावा जनहित के कार्यों से भाजपा का कोई सरोकार नहीं है।

डोटासरा ने कहा कि 35 साल से अधिक वर्ष तक स्वर्गीय जुबेर खान ने क्षेत्र में रहकर प्रदेश की जनता की खुशहाली के लिए अपना जीवन दिया, अब जो उनको 5 साल का कार्यकाल मिला था उसके अधूरे सपने को पूरा करने के लिए उनके पुत्र आर्यन जुबेर खान को विजयी बनाकर उनके सपनों को साकार करना है। समाज में भाईचारा बढ़े उसके लिए मतदान करना है।

डोटासरा ने उपस्थित जनसमूह से कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान कर सातों विधानसभा क्षेत्र जहां उपचुनाव हो रहे हैं में कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील की और कहा कि कांग्रेस के हाथ मजबूत करने से एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाते हुए कांग्रेस पार्टी प्रदेश की जनता के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ का 67वां सम्मेलन

- देवनानी ने ऑस्ट्रेलिया संसद का किया अवलोकन, विपक्षी दल के अलेक्स हॉक से मुलाकात,
- निवेश की सम्भावनाओं पर किया विचार-विमर्श

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 8 नवंबर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के कैनबेरा में स्थित ऑस्ट्रेलियन पार्लियामेंट में विपक्षी दल के प्रमुख सांसद एवं पूर्व मंत्रीअलेक्स हॉक से शिष्टाचार भेंट की।देवनानी और हॉक ने भारत और ऑस्ट्रेलिया की संसदीय प्रणाली के विकास में संसदीय पद्धति व प्रक्रियाओं की भूमिका, लोकतांत्रिक प्रणाली सहित शिक्षा, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की सम्भावनाओं पर विचार-विमर्श किया। देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में शिक्षा और रोज़गार के अवसरों में उत्तरोतर प्रगति हो रही है। राजस्थान में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट– 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस समिट से राजस्थान में निवेश के साथ-साथ राज्य में समावेशी विकास, सांस्कृतिक विरासत सहित विकास के विभिन्न स्तम्भों को बढावा मिलेगा। देवनानी ने ऑस्ट्रेलिया में हॉक और अन्य सांसदगण से दोनों देशों में उद्योगों को विस्तार देने में वर्तमान चुनौतियों और भविष्य के अवसरों की सम्भावनाओं पर चर्चा की। श्री देवनानी ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुसार दोनों राष्ट्रों में साझेदारी, अनुसंधान और विकास को बढावा देने वाले कदमों को भी तलाशा। देवनानी ने कैनबेरा स्थित ऑस्ट्रेलियन पार्लियामेंट का अवलोकन किया और वहां के सदन, विभिन्न दीर्घाओं और संसदीय प्रणाली की बारिकियों को आत्मसात किया।

राहुल द्रविड़ ने सवाई मान सिंह स्टेडियम में लगाया पौधा

एक पेड़ माँ के नाम मुहिम के तहत खेल सचिव डॉ. नीरज के. पवन भी थे मौजूद

चमकता राजस्थान

जयपुर, 8 नवंबर। राजस्थान रॉयल्स के कार्यक्रम में शामिल होने शुक्रवार को जयपुर आये भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित क्रिकेट अकादमी के बाहर एक पेड़ माँ के नाम मुहिम के तहत एक पौधा लगाया।

इस अवसर पर शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग तथा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष डा. नीरज के. पवन व सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया भी मौजूद थे।

चीफ कोच की हैसियत से राहुल द्रविड ने भारत को एकदिवसीय वर्ल्ड कप क्रिकेट का खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विश्व कप के बाद वे अब राजस्थान रायल्स के चीफ कोच की भूमिका निभा रहे है। वे इससे पूर्व चैपियन राजस्थान रॉयल्स के कप्तान के तौर पर भी खेल चुके है और अब कोच है। भारत के पूंव कप्तान ने सन् 1996 में भारतीय क्रिकेट टीम में खेलना आरम्भ किया और लगभग 16 साल तक भारत का प्रतिनिधित्व करते रहने के बाद उन्होंने वर्ष 2012 में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी फॉर्मैट से संन्यास ले लिया।

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

लापरवाह कार्मिकों पर निगम प्रबंधन ले रहा सख्त एक्शन, वैशाली नगर डिपो की मुख्य प्रबंधक को दिया नोटिस

चमकता राजस्थान/जयपुर। रोडवेज अध्यक्ष श्रीमती शुभ्रा सिंह एवं प्रबंध निदेशक श्री पुरुषोत्तम शर्मा के निर्देशन में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बेहतरी के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और लापरवाह कार्मिकों पर सख्त एक्शन भी लिए जा रहे हैं।

ऐसा ही एक कदम उठाते हुए रोडवेज प्रबंधन ने वैशाली नगर आगार की मुख्य प्रबंधक को वाहन निरीक्षण के दौरान वीडियोग्राफी नहीं करवाए जाने की लापरवाही का दोषी पाए जाने पर नोटिस दिया है।

प्रबंधक निदेशक श्री पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि वैशाली नगर डिपो की मुख्य प्रबंधक श्रीमती विन्तेश मीणा ने 6 नवंबर 2024 को सरवाड़ से जयपुर मार्ग पर जा रही बस के निरीक्षण के दौरान परिचालक पर 80 किलोग्राम लगेज का रिमार्क अंकित किया था। परिचालक श्री हनुमान चौधरी ने मुख्य प्रबंधक के विरुद्ध गलत रिमार्क लगाए जाने की शिकायत दर्ज की थी। शिकायत दर्ज होने पर मुख्य प्रबंधक से जब वाहन निरीक्षण के दौरान की गई वीडियोग्राफी दिखाने के लिए कहा गया तो डिपो प्रबंधक ने वीडियोग्राफी नहीं करना बताया जबकि पिछले दिनों रोडवेज प्रबंधन द्वारा जारी एक महत्वपूर्ण आदेश के अनुसार वाहन निरीक्षण के दौरान निरीक्षण दल के वाहन में प्रवेश से लेकर वाहन निरीक्षण पूर्ण होने तक संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी कराया जाना आवश्यक है।

श्री शर्मा ने बताया कि मुख्य प्रबंधक द्वारा वीडियोग्राफी नहीं कराया जाना उनके कर्तव्यों के प्रति शिथिलता और लापरवाही मान कर अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए राजकीय नियम 16 के तहत नोटिस दिया गया है। श्रीमती विन्तेश मीणा को अपना जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

लंबित पत्रावलियों का हो रहा त्वरित निस्तारण

अक्टूबर एवं सितम्बर माह में जारी हुए सर्वाधिक घरेलू बिजली कनेक्शन

चमकता राजस्थान

जयपुर, 08 नवम्बर। सुगमता से नए बिजली कनेक्शन जारी करने के संबंध में जयपुर डिस्कॉम मुख्यालय के दिशा-निर्देशों तथा सतत मॉनीटरिंग के निचले स्तर तक सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। डिस्कॉम द्वारा इस वित्तीय वर्ष के दौरान अक्टूबर एवं सितम्बर माह में 56 हजार 190 घरेलू बिजली कनेक्शन जारी किए गए हैं।

डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर डिस्कॉम की प्रबंध निदेशक सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि बीते अक्टूबर माह में निगम के सभी 20 सर्किलों में घरेलू श्रेणी में कुल 29 हजार 630 बिजली कनेक्शन जारी किए गए। वहीं सितम्बर माह में 26 हजार 560 कनेक्शन जारी हुए। इसी प्रकार चालू नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह के चार कार्यदिवसों में ही 3 हजार 70 घरेलू कनेक्शन जारी किए गए हैं।

सुश्री डोगरा ने बताया कि अप्रेल माह में 15 हजार 900, मई में 16 हजार 950, जून में 15 हजार 700, जुलाई में 22 हजार 625 तथा अगस्त माह में 17 हजार 914 घरेलू कनेक्शन जारी किए गए। इन सभी को मिलाकर इस वित्तीय वर्ष में 7 नवम्बर तक कुल 1 लाख 48 हजार 399 घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं।

जयपुर शहर एवं जिला सर्किल में जारी हुए 11,437 घरेलू कनेक्शन

अक्टूबर माह में जयपुर सिटी एवं जयपुर जिले के सभी चारों सर्किलों में कुल 11 हजार 437 घरेलू कनेक्शन जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त अलवर सर्किल में 2652, बारां में 700, भरतपुर में 1314, भिवाड़ी में 952, बूंदी में 964, दौसा में 1999, डीग में 1342, धौलपुर में 857, दूदू में 758, गंगापुर सिटी में 913, झालावाड़ में 592, करौली में 1043, कोटा में 814, कोटपुतली में 1236, सवाई माधोपुर में 930 तथा टोंक सर्किल में 1103 घरेलू कनेक्शन जारी किए गए हैं।

एनसीएमएस पोर्टल से हो रही मॉनीटरिंग

उल्लेखनीय है कि जयपुर डिस्कॉम में नए कनेक्शन, नाम बदलने तथा स्वीकृत भार में परिवर्तन से संबंधित लंबित पत्रावलियों की ऑनलाइन मॉनीटरिंग न्यू कनेक्शन मॉनीटरिंग सिस्टम (एनसीएमएस) पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। इसके जरिए मुख्यालय स्तर से किसी भी सब डिवीजन कार्यालय में लंबित प्रकरणों की रियल टाइम ट्रेकिंग की जा रही है। इससे यह सुनिश्चित कर पाना संभव हुआ है कि कनेक्शन की पत्रावली किस कार्यालय में किस कार्मिक के स्तर पर कितने समय से लंबित है। फील्ड स्तर पर कार्मिकों को आवश्यकतानुसार इसका प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। कनेक्शनों का बैकलॉग समाप्त करने की दिशा में जोनल मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण एवं अधिशासी अभियंताओं को नियमित मॉनीटरिंग के निर्देश दिए गए। अधीक्षण अभियंताओं एवं अधिशासी अभियंताओं को निर्देश दिए गए कि वे अपने क्षेत्राधिकार के सब डिवीजन कार्यालयों में कनेक्शन से संबंधित लंबित पत्रावलियों का शीघ्र निस्तारण कराएं और यह सुनिश्चित करें कि कनेक्शन जारी करने में देरी न हो। पत्रावलियों को अनुमोदन, साइट वेरीफिकेशन, आवेदक के स्तर पर दस्तावेज में कमी, डिमांड डिपोजिट में देरी अथवा जॉब ऑर्डर की अपूर्णता के बहाने अटकाया नहीं जाए। मैटेरियल मैनेजमेंट विंग से सभी कार्यालयों में नए कनेक्शनों के लिए आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929